राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 120 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 19 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने दिया मई में सुनवाई का भरोसा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर मई में सुनवाई का भरोसा दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका अच्छी है और इस पर गौर किया जा सकता है। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दाखिल याचिका में कहा गया है कि एक ऐसा आयोग बनाया जाना चाहिए जिसमें कानून के जाने-माने जानकार शामिल हों और वे नए सिलेबस और पाठ्यक्रम तैयार करें, ताकि कानूनी शिक्षा को आधुनिक और सभी के लिए सुलभ बनाया जा सके। याचिका में यह भी बताया गया है कि अब भी भारत में अधिकांश लॉ कोर्स पांच साल के इंटीग्रेटेड बीए-एलएलबी या बीबीए-एलएलबी प्रोग्राम के रूप में चल रहे हैं। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि जबकि अधिकांश कोर्स चार साल के होते हैं, पांच साल का यह कोर्स छात्रों के लिए समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ा देता है।

एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा जहाज नंदा देवी

भुज। भारतीय जहाज नंदा देवी मंगलवार को एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसी पुष्टि करते हुए कहा कि भारतीय जहाज नंदा देवी एलपीजी लेकर मंगलवार को सुबह लगभग 11.25 बजे गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा। इस हफ्ते एलपीजी लेकर पश्चिमी तट पर पहुंचने वाला चंदा देवीज दूसरा जहाज है। इससे एक दिन पहले चशिवालिकज मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचे हैं। जलडमरूमध्य ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बाधित है। ईरान की ओर से अनुमति मिलने के बाद ये जहाज भारत पहुंचे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से ईरान की बढ़ती सैन्य कार्रवाई और चेतावनियों के चलते फरवरी के अंत से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। सोमवार को कांडला बंदरगाह के अधिकारियों ने निर्देश जारी किया था कि एलपीजी ले जाने वाले सभी जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर लंगर डालने की अनुमति दी जाए ताकि माल की अनलोडिंग में तेजी लाई जा सके और देरी को कम किया जा सके।

चुनाव आयोग ने केरल के 5 अधिकारियों का किया ट्रांसफर

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि केरल सहित सभी राज्यों में चुनाव प्रलोभन मुक्त, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण होंगे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने केरल में कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए हैं।

सांसदों की विदाई पर पीएम बोले राजनीति में फुलस्टॉप नहीं होता...

खरगे ने दिया जवाब-'वो मोहब्बत हमारे साथ किए, शादी मोदी साहब के साथ'

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद का ऊपरी सदन यानी राज्यसभा, जहां बुधवार की सुबह एक अलग ही दृश्य देखने को मिला। विदाई की वह बेला थी, जहां आंखों में पुरानी यादें और होठों पर भविष्य की नई योजनाओं की मुस्कुराहट थी। सदन के 37 सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा था, और इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें विदाई देने के लिए कमान संभाली। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कई बातें कही। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजनीति एक ऐसा क्षेत्र है जहां कभी 'फुल स्टॉप' यानी पूर्णविराम नहीं होता। उन्होंने सदन को एक 'बड़ी यूनिवर्सिटी' की संज्ञा दी, जहां हर सांसद कुछ न कुछ सीखता है और सिखाता है। प्रधानमंत्री के अनुसार, सदन में बिताया गया समय केवल विधायी कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वह स्थान है जहां शिक्षा और दीक्षा दोनों प्राप्त होती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जो सदस्य आज सदन से विदा ले रहे हैं, वे समाज और सार्वजनिक जीवन में अपने इस विशाल अनुभव का सार्थक उपयोग जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के दिग्गज नेताओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं का विशेष उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का आधे से ज्यादा हिस्सा संसदीय कार्यों को समर्पित कर दिया है। उन्होंने नए सांसदों को सलाह दी कि वे इन वरिष्ठों के समर्पण, सदन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी निभाने के तरीके से प्रेरणा लें। यह क्षण याद दिलाता है कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री मोदी ने केवल सांसदों की ही नहीं, बल्कि सदन के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह की भी खूब सराहना की। उन्होंने हरिवंश जी को 'कलम का धनी' और 'कर्मठ' व्यक्ति बताया। मोदी ने कहा कि किस तरह उन्होंने बेहद शांत, विनम्र और संयमित तरीके से सदन की मर्यादा को बनाए रखा। इसके अलावा, सदन में ठहाकों का दौर तब आया जब प्रधानमंत्री ने रिपब्लिकन पार्टी के नेता रामदास आठवले के बारे में हास्य-व्यंग्य के अंदाज में बात की। उन्होंने कहा कि भले ही आठवले जा रहे हैं, लेकिन उनके व्यंग्य की कमी किसी को महसूस नहीं होगी क्योंकि वे बाहर रहकर भी अपना अंदाज जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सदन के माहौल को हल्का-फुल्का बनाए रखा। उन्होंने मोदी की बात का समर्थन करते हुए कहा कि राजनीति में रहने वाले लोग कभी रिटायर नहीं होते। खरगे ने मुस्कुराते हुए कहा, नेता न तो टायर्ड होते हैं और न ही रिटायर्ड। उन्होंने बताया कि उन्हें राजनीति में 54 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी वे हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। मैंने देवेगौड़ा जी के साथ बहुत काम किया है। बाद में, मुझे नहीं पता कि क्या हुआ 'वो मोहब्बत हमारे साथ किए, शादी मोदी साहब के साथ।'

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ की तारीफ की

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में वरिष्ठ नेताओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने एचडी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा संसदीय सेवा में समर्पित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि नए सांसदों को उनसे सीखना चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना चाहिए।

उपसभापति हरिवंश सिंह की भी तारीफ की

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरिवंश जी ने सदन की कार्यवाही को शांत और संतुलित तरीके से संचालित किया, मेहनती हैं और देशभर की यात्राओं के माध्यम से अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाया। पीएम मोदी ने अपने भाषण का समापन संसद की गरिमा बनाए रखने और वरिष्ठ नेताओं से प्रेरणा लेने पर जोर देते हुए किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद वाले मामले में आया नया मोड़

883 पेजों का जवाब लेकर हाईकोर्ट पहुंचे ब्रह्मचारी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर नाबालिगों से जुड़े कथित कुकर्म का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्वामी की अग्रिम जमानत याचिका पर कोर्ट के निर्देश के अनुसार अपना लिखित जवाब जमा किया। आशुतोष ब्रह्मचारी 883 पेज का लिखित जवाब लेकर हाई कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इसमें वह नाबालिग बटुकों के साथ किए गए कुकर्म और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े अन्य साक्ष्य दाखिल कर रहे हैं। इसके

अलावा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शंकराचार्य होने का जो झूठा हलफनामा दाखिल किया है, उसको लेकर भी साक्ष्य पेश किए गए हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी 12 मार्च को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि वह अपने मामले में इन पर्सन बहस कर रहे हैं। उन्होंने 12 मार्च को ईमेल के जरिए अदालत को बताया था कि सुरक्षा कारणों के चलते वह हाईकोर्ट नहीं आ सके। अब उन्हीं कारणों के बीच उन्होंने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा कि जवाब दाखिल करने में हुई देरी के लिए उन्होंने माफी याचिका भी दी है। उनका दावा है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ उनके पास पुख्ता सबूत हैं, जिन्हें वे कोर्ट में पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन साक्ष्यों के आधार पर वे हाईकोर्ट में स्वामी की नियमित जमानत याचिका का विरोध करेंगे।

बिहार में बड़ा एनकाउंटर, मार गिराए दो वांछित अपराधी

मोतिहारी। बिहार पुलिस इन दिनों अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन में है। इस बीच, पूर्वी चंपारण जिले में मुठभेड़ में पुलिस ने दो वांछित अपराधियों को मार गिराया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी शहीद हो गया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना पूर्वी चंपारण जिले के चकिया थाना के रामडीहा गांव की है, जहां पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो अपराधी मारे गए हैं। मारे गए अपराधियों की पहचान कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी।

नंदीग्राम में ममता ने चला बड़ा दांव

सुवेंदु अधिकारी का होगा स्मृति ईरानी जैसा हाल ?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। ममता बनर्जी खुद भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। मौजूदा वक्त में वे भवानीपुर का ही प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस बार यहां उनके सामने बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी की चुनौती होगी। बीजेपी ने भी बीते कल यानी सोमवार को 144 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। जिसमें सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर से प्रत्याशी बनाया है। पिछली बार नंदीग्राम में सुवेंदु अधिकारी ने

ममूली अंतर से ममता बनर्जी को मात दे दी थी। जिसके बाद ममता ने भवानीपुर सीट से उपचुनाव लड़कर जीत हासिल की थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बार बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ ऐसी रणनीति अपनाई है।

रिटायरमेंट पर लगी रोक

चर्चित मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी कर्नल पुरोहित की बड़ी जीत

नई दिल्ली/ एजेंसी

वर्ष 2008 के चर्चित मालेगांव बम धमाके मामले में लंबी कानूनी लड़ाई जीतने वाले कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कर्नल पुरोहित के रिटायरमेंट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। ट्रिब्यूनल ने न केवल उनके सेना से विदा होने की प्रक्रिया को रोका है, बल्कि उनके उन तमाम सर्विस बेनिफिट्स और प्रमोशन की बहाली का रास्ता भी साफ कर दिया है, जो बीते डेढ़ दशक से

कानूनी दांव-पेंचों में फंसे हुए थे। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पिछले साल 31 जुलाई 2025 को मुंबई की स्पेशल एनआईए कोर्ट द्वारा कर्नल पुरोहित को बरी किए जाने का फैसला बेहद महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने माना कि कर्नल पुरोहित के खिलाफ लगाए गए आरोप न केवल निराधार थे, बल्कि रिकॉर्ड्स को देखने से पता चलता है कि उन्हें इस मामले में 'गैर-कानूनी और मनगढ़ंत' तरीके से फंसाया गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा, पहली नजर में यह मामला कर्नल पुरोहित के पक्ष में नजर आता है। उन्हें अपने जूनियर्स के बराबर प्रमोशन और अन्य वित्तीय लाभ मिलने चाहिए, जो इस केस की वजह से रुके हुए थे। कर्नल पुरोहित ने ट्रिब्यूनल के समक्ष दलील दी थी कि मालेगांव केस में उनकी गिरफ्तारी और जेल की सजा के कारण उनका करियर पूरी तरह ठप हो गया था।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव :भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती

चंडीगढ। हरियाणा में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनावों में एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली। इन चुनावों के दौरान वोट की गोपनीयता के उल्लंघन और क्रॉस-वोटिंग की शिकायत देखने को मिली। ये सीटें भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर बौद्ध ने जीतीं। भाजपा समर्थित इंडिपेंडेंट कैंडिडेट सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा। 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल के दो विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे।

नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के कंधे पर रखा हाथ

आगे यही सब काम करेंगे,कही बड़ी बात,तय हो गया सीएम....

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमुई के एक कार्यक्रम में सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर यह साफ कहा कि आगे यही सब काम करेंगे। नीतीश कुमार के इस बयान के बाद कयास लगाए जाने लगे और नीतीश कुमार के इस बयान को बिहार के अगले सीएम की घोषणा के रूप में भी देखा जाने लगा। जमुई में आयोजित इस सार्वजनित सभा के मंज पर जेडीयू के कई बड़े नेता औक मंत्री भी मौजूद रहे। इसके अलावा उन्होंने मंच से हाथ उठाकर सभा में आए लोगों से

लोगों से सम्राट चौधरी को समर्थन करने की भी अपील की। दरअसल, मुख्यमंत्री के इस व्यवहार और सार्वजनिक समर्थन ने राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज कर दी है कि सम्राट चौधरी ही बिहार के अगले सीएम होंगे और अब नीतीश कुमार का भरी सभा में उनके लिए समर्थन मांगना यह साफ दिखाता है कि चौधरी नीतीश की भी पहली पसंद बन गए हैं। अब नीतीश कुमार के इस व्यवहार के बाद यह चर्चा इसलिए भी तेज हो गई क्योंकि नीतीश कुमार का ऐसे समर्थन मांगना यह साफ दिखाता है कि आगे चलकर सम्राट चौधरी को जेडीयू का भी पूर्ण रूप से समर्थन मिल सकता है। ऐसा पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी को लेकर मैसेज दिया हो। इससे पहले 12 मार्च को भी उन्होंने एक जनसभा के दौरान कहा था कि उनकी नजर में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त चेहरा हैं।

राघवेन्द्र सिंह ने उठाया मामला

जम्बूरी में भ्रष्टाचार फिर गूंजा,विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज विपक्ष ने जम्बूरी आयोजन पर फिर से सवाल पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस विधायक राघवेन्द्र सिंह ने जम्बूरी आयोजन में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए इसकी विधायक दल की समिति से जांच कराने की मांग की, जिस पर स्कूल शिक्षा मंत्री का जवाब आया कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं आने का आरोप लगाते हुए सारे कांग्रेस विधायकगण नारेबाजी करते हुए सदन से वॉक आउट कर गए। प्रश्नकाल में राघवेन्द्र कुमार सिंह का सवाल था कि छत्तीसगढ़ राज्य स्काउट गाईड परिषद के अध्यक्ष कौन हैं? क्या राज्य के शिक्षा मंत्री को ही पदेन अध्यक्ष बनाए जाने संबंधित कोई स्थाई आदेश/निर्देश है? जम्बूरी आयोजन को बालोद में कराए जाने संबंधित निर्णय कब व किसके द्वारा लिया गया? क्या इस आयोजन को पूर्व में रायपुर में कराए जाने का निर्णय लिया गया था? यदि हां, तो स्थल परिवर्तन करने के पीछे का कारण क्या है? जम्बूरी आयोजन हेतु क्रियान्वयन एजेंसी किसे बनाया गया? आयोजन हेतु कितनी राशि आबंटित की गई? राशि व्यय करने के लिए कौन सी प्रक्रिया अपनाई गई? स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की ओर से जवाब आया कि छत्तीसगढ़ राज्य स्काउट गाईड परिषद के पदेन अध्यक्ष स्कूल शिक्षा मंत्री होते हैं। बालोद में राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी आयोजन का निर्णय राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के व्दारा 14 नवम्बर 2025 को

लिया गया। जम्बूरी आयोजन हेतु क्रियान्वयन एजेंसी जिला शिक्षा अधिकारी बालोद को बनाया गया। आयोजन हेतु 5 करोड़ आबंटित किए गए। आबंटित राशि का उपयोग एरीना निर्माण, शौचालय निर्माण, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, आवास हेतु टेंट, कार्यक्रम हेतु डोम, बेरिकेट, भोजनालय एवं प्रिंटिंग आदि कार्यों में किया गया है। राशि व्यय करने के लिए छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम में निहित प्रक्रिया अपनाई गई। राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि 13 दिसम्बर 2025 को जम्बूरी अध्यक्ष पद पर आपकी नियुक्ति हुई, जबकि आयोजन का टेंडर 10 दिसम्बर 2025 को हो गया, यह किस आधार पर हुआ? मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जम्बूरी के आयोजन को लेकर भारत सरकार की चिट्ठी अप्रैल 2025 में जारी हुई थी, जिसके आधार पर टेंडर हुआ। आयोजन स्थल के चयन के लिए टीम दिल्ली से आई थी। टीम ने नया रायपुर व बालोद दोनों स्थानों को देखा। मेरे जम्बूरी अध्यक्ष बनने से पहले तय हो चुका था कि आयोजन बालोद में होगा। टेंडर प्रक्रिया मेरे कहने पर नहीं हुई। राज्य परिषद की बैठक 19 नवंबर 2025 को हुई थी, मेरे अध्यक्ष बनने से पहले। टेंडर के पीछे निर्णय परिषद का रहा। राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि 10 दिसम्बर वाला टेंडर निरस्त किया जाता है, फिर दोबारा टेंडर होता है, जो 4 दिसम्बर को ओपन होता है।

9 जनवरी को आयोजन स्थल पूरी तरह तैयार भी हो जाता है। यह सब कैसे हो गया? यह सवाल होते ही भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वैसे ही हुआ जैसा पिछली सरकार में बोरे बासी का हुआ था। शुक्ला की इस टिप्पणी पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी आपत्ति की और शोर शराबा हुआ। राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि 10 तारीख को जो टेंडर जारी होता है उसमें 90 प्वाइंट होते हैं। उसे निरस्त कर 52 प्वाइंट पर लाया जाता है। टेंडर जारी होने से पहले जिस तरह काम शुरु हो गया, इसकी क्या विधायक दल की समिति से जांच कराएंगे? मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विधायक दल की समिति आखिर किस बात की जांच करेगी। आयोजन में राष्ट्रीय स्तर का पार्ट अलग था और हमारा पार्ट अलग। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संक्षिप्त समाचार

कमला कॉलेज में हुआ हुनर हाट और आनंद मेला, छात्राओं ने दिखाई उद्यमिता की झलक

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 मार्च 2026 को हुनर हाट एवं आनंद मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंजी. शैलेन्द्र कुमार शुक्ला (चेयरमैन, इस्कॉन सोलर प्रा. लिमिटेड), श्रीमती आशा बारेवर (मिलेट लेडी और आशा प्रीमिवस आर्ट शाला फउंडर) और प्राचार्य डॉण् अंजली अवधिया ने रिबन काटकर किया। मेला में महाविद्यालय की छात्राओं ने आत्मनिर्भरता और उद्यमिता का परिचय दिया। राजनीति विभाग ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन, अर्थशास्त्र विभाग ने कोल्ड ड्रिंक और पापड़ी चाट, रसायनशास्त्र विभाग ने प्लास्टिक समान से सजावट की सामग्री और बाम एवं बाल न झड़ने वाला सिरम प्रस्तुत किया। होमसाइंस विभाग ने मिलेट आधारित व्यंजन का स्टॉल सजाया। एनएसएस की छात्राओं ने डेकोरेटिव दी, और मिट्टी के मटके का स्टॉल लगाया। प्राणीशास्त्र विभाग ने नींबू शरबत और मिट्टी के घड़ों से बने उत्पाद, बॉटनी विभाग ने मशरूम और औषधीय पौधों का स्टॉल प्रदर्शित किया। भूगोल विभाग ने बचे कपड़ों से बने ओले और भेल का स्टॉल सजाया। भौतिकी विभाग ने एआई द्वारा फेटो जनरेटिंग, गणित विभाग ने गणितीय गेम्स, मनोविज्ञान विभाग ने मनोवैज्ञानिक टेस्ट आयोजित किए। समाजशास्त्र विभाग ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन और हस्तनिर्मित आभूषण, योग विभाग ने लो कैलोरी पुलाव और हेल्दी सैंडविच का स्टॉल लगाया। महाविद्यालय स्टाफ ने भी कार्यक्रम में छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। मेले में बड़ी संख्या में छात्राएं, अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थी और स्टाफ शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

घनश्याम विश्वकर्मा बने भाजपा समर्थक मंच के प्रदेश अध्यक्ष

राजनांदगांव। भाजपा समर्थक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर अनमोल श्रीवास्तव के निर्देश पर और राष्ट्रीय सचिव व उड़ीसा के प्रदेश प्रभारी दीपक श्रीवास्तव के प्रस्ताव पर शहर के लोकप्रिय युवा नेता और समाजसेवक घनश्याम विश्वकर्मा को छत्तीसगढ़ प्रदेश का मनोनीत किया गया है। उक्त खबर को लेकर संगठन सहित मित्रों और उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। श्री घनश्याम की लम्बे समय की सक्रियता, लगन और निष्ठा का ही परिणाम है कि, उन्हें प्रदेश स्तर की इतनी बड़ी जिम्मेदारी के लिए चुना गया है। घनश्याम विश्वकर्मा भाजपा के आलनेताओं के लगातार सम्पर्क में थे इसलिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उम्मीद जताई जा रही है कि, घनश्याम विश्वकर्मा के संगठन में आ जाने से संगठन को अपेक्षित मजबूती मिलेगी। घनश्याम विश्वकर्मा ने संगठन को भरोसा दिलाया है कि, उनके नेतृत्व में संगठन का विस्तार होगा और वो राष्ट्रवादी विचारधारा को गति प्रदान करने का कार्य करेंगे।

टीबी उन्मूलन को लेकर 100 दिवसीय निक्षय निरामय कार्यक्रम की बैठक आयोजित

पाटन। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निक्षय निरामय अभियान के तहत 100 दिवसीय टीबी फोरम बैठक का आयोजन बीपीएचयू पाटन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में टीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई। इस दौरान संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने और जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन के सीईओ जागेश्वर साहू, बीएमओ पाटन डॉ. भुवनेश्वर कटौतिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन, डॉ. एस. नंदी, सीडीपीओ पाटन छाया वर्मा, सीडीपीओ झीट यमुनेश पाण्डेय, सीडीपीओ भिलाई-2 चौधरी मैडम, बीईटीओ पाटन बी.एल. वर्मा, बीईटीओ झीट चन्द्रकान्ता साहू, एसटीएलएस इंदु अमृत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने टीबी मुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

करोड़ों का ऋण है ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल के पीछे के भूखंड पर

बिलासपुर। ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल मिशन अस्पताल रोड, व्यापार विहार और बहतराई का मामला जहां एक और इन दोनों सीबीएसई और सीजी बोर्ड के बीच झूल रहा है से कहीं ज्यादा विवादित है। सीबीएसई मान्यता की साइट में इसका स्थानीय पता कॉर्पोरेट दफ्तर के तरीके से डाला है। यह कुछ इस अंदाज में है कि साधारण पालक इसे पढ़कर मिशन कंपाउंड स्कूल और बहतराई दोनों की मान्यता समझ बैठता है और यह आंशिक सत्य है।

एक दूसरा तथ्य जो पंजाब नेशनल बैंक के ऋण प्रकरण का है। नजूल रिकॉर्ड के अनुसार यह पूरा भूखंड जो लगभग 14 एकड़ का है। मूल सीडब्ल्यूबीएम के नाम से दर्ज था और उसी में से भूखंड का एक टुकड़ा लगभग दो एकड़ को बिक्री किया गया और राय साहब बनवारी लाल अग्रवाल

ने इस क्रय किया। अभी हाल ही में जब जिला प्रशासन ने जेकमेन मेमोरियल अस्पताल की लीज का नवीनीकरण नहीं किया लीज निरस्त कर दी तो उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ में आवेदन जैकमैन के विद्वान अधिवक्ता ने मूल भूखंड से बेची गई संपत्ति की लीज का मुद्दा उठाया तब महाधिवक्ता ने कहा कि नजूल न्यायालय से लीज धारीयों को नोटिस हुआ है कि क्यों ना 2 एकड़ जो अब विभिन्न टुकड़ों में बाटी है की लीज निरस्त कर दी जाए।

न्यायालय के दस्तावेजों को देखने से पता चलता है कि इस खसरे में चार से अधिक टुकड़े हैं इन्हीं में से एक टुकड़ा जो 45000 स्क्वायर फीट का है पर पंजाब नेशनल बैंक से 21.13 करोड़ का ऋण लिया गया है। तनाव ग्रस्त अस्ति प्रबंधन के तहत यह मामला ईद नीलामी के लिए निर्धारित किया गया था जिसकी नीलामी 6 मार्च 2026 को प्रस्तावित थी। यह पूरा मामला इसलिए भी संदेह के दायरे में आता है कि इस भूखंड का भूमि उपयोग सार्वजनिक उद्देश्य है। ऐसे में इतनी बड़ी धनराशि का रन सरकारी बैंक ने कैसे दिया।

एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की कार्यवाही

अवैध पदार्थ गांजा की तस्करी करते 01 आरोपी एवं 01अपचारी बालक सहित कुल 2 अंतरराज्यीय तस्कर थाना सिंघोड़ा पुलिस के गिरफ्त में

3 लाख 50 हजार कीमत का 07 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त

एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स की अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन पर लगातार कार्यवाही

दोनो तस्कर मध्यप्रदेश के निवासी, महासमुंद पुलिस की गिरफ्त में

दीपक पटेल/ सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। गांजा परिवहन में प्रयुक्त चञ्जरू मो0सा0बिना नंबर कीमती 75,0000 रूपये, गांजा 07 किलोग्राम किमती 03,50,000/-* *रुपये एवं 01 नग मोबाईल कीमती 5,000 रूपये , कुल जुमला 4 लाख 30 हजार /- रूपये जप्त कर की जा रही है वैधानिक कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की एक बिना नंबर कि चञ्जरू मो0सा0में उडिसा की ओर से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर दो व्यक्ति आ रहे है कि सूचना पर एनएच 53 रोड रेहटीखोल पहूंच कर नाकाबंदी किये जहां कुछ समय बाद एक बिना नंबर कि चञ्जरू मो0सा0 आया जिसमें बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछने पर चालक ने अपना नाम पारस लोधी पिता लल्लू लोधी उम्र 18 साल 02 माह साकिन शाही नाका रोड त्रिपुरी वार्ड शाही नाका पुरूवा थाना गढा जिला जबलपुर म0प्र0, 02 विधि से संघर्षरत बालक होना बताये, पूछताछ करने पर मोटर सायकल के बीच सीट में रखे बैग के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना बताये एवं उक्त गांजा को कंटामाल उडिसा से जबलपुर मध्यप्रदेश ले जाना बताये । जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए थाने में आरोपियों से 07 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त, कीमत 3,50,000/- रुपये एवं गांजा परिवहन में प्रयुक्त एक बिना नंबर की चञ्जरू मो0सा0 किमती 75,000/- रू, एवं 01 नग मोबाईल कीमती 05,000 रूपये, व कुल जुमला 04,30,000/- रूपये को जप्त किया गया है। उक्त अपराध कृत्य एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से एक आरोपी को विधिवत गिर0 किया गया तथा विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की गई है।

यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

जप्त सम्पती :-

01. 07 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त , कीमत 3,50,000/- रुपये
02 . परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन एक बिना नंबर की चञ्जरू मो0सा0 कीमती 75,,000 रूपये, एवं
03. 01 नग मोबाईल कीमती 05,000 रूपये, कुल जुमला 4,30,000/- रूपये

गिरफ्तार आरोपियो का नाम-

परिवहनकर्ता
01- पारस लोधी पिता लल्लू लोधी उम्र 18 साल 02 माह साकिन शाही नाका रोड त्रिपुरी वार्ड शाही नाका पुरूवा थाना गढा जिला जबलपुर म0प्र0
02. विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में आधुनिक विजन सेंटर का शुभारंभ

कवर्धा। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोडला में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए एक आधुनिक विजन सेंटर (नेत्र जांच केंद्र) का शुभारंभ किया गया। इसका संचालन साइटसेवर्स इंडिया के वित्तीय सहयोग तथा जन कल्याण सामाजिक संस्थान और उदयाचल सामाजिक संस्थाए राजनंदगांव के संयुक्त प्रयास से होगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तुरे ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर चोलामंडलम के प्रतिनिधि मिस्टर लतीफ, मिस्टर जायसवाल, मिस्टर सिन्हा, एनएचएम की डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर अनुपमा तिवारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुरुषोत्तम सिंह राजपूत, बीपीएम रूपेश साहू, नेत्र सहायक भीषम कोसले और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. तुरे ने कहा कि यह विजन सेंटर बोडला क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। आधुनिक उपकरण और बेसिक इंस्ट्रूमेंट्स से यहां की नेत्र जांच सेवाएं और अधिक सशक्त होंगी। इससे विशेष रूप से मोतियाबिंद

से पीड़ित मरीजों को समय पर जांच और उपचार मिलेगा और दूरस्थ ग्रामीण और बैगा आदिवासी अंचलों के लोग अब बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त कर सकेंगे।

साइटसेवर्स इंडिया की प्रोग्राम ऑफिसर पूजा सोनी ने बताया कि नेत्र वसंत रूरल आई हेल्थ प्रोग्राम के तहत बोडला और पंडरिया ब्लॉक का चयन किया गया। अभियान में 3000 से अधिक मोतियाबिंद मरीजों की पहचान की गई, जिन्हें उदयाचल सामाजिक संस्थाए सूर्य नेत्रालय कबीरधाम और जिला चिकित्सालय कबीरधाम में उपचार के लिए भेजा गया।

नव स्थापित विजन सेंटर के माध्यम से अब क्षेत्रीय लोगों को नियमित नेत्र जांच, दृष्टि परीक्षण, मोतियाबिंद की पहचान और आवश्यक परामर्श की सुविधा मिलेगी। इससे मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा और उन्हें दूर शहरों तक जाने की जरूरत भी कम होगी।

जिला अस्पताल में सफल कूल्हा प्रत्यारोपण

80 वर्षीय आरती को मिला नया जीवन

मुंगेली(समय दर्शन)जिला चिकित्सालय में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं और त्वरित उपचार से मरीजों को लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। इसी कड़ी में चिकित्सकों की सतर्कता और कुशल उपचार से कबीरधाम जिले के ग्राम प्रतातपुर की 80 वर्षीय श्रीमती आरती भास्कर का सफलतापूर्वक कूल्हा प्रत्यारोपण किया गया। आरती ने बताया कि करीब तीन माह पूर्व घर पर स्नान करते समय गिरने से उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद से वह लगातार बिस्तर पर थीं और चलने-फिरने में असमर्थ थीं। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय मुंगेली लाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी गई।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के.रॉय ने बताया कि 14 मार्च को अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में अनुभवी टीम द्वारा सफलतापूर्वक कूल्हा प्रत्यारोपण

सर्जरी की गई। इस जटिल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार वेलदार,ओटी स्टाफ तथा अन्य सहयोगी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरी प्रक्रिया वरिष्ठ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है और वह धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही हैं। इस सफल उपचार से न केवल मरीज को नया जीवन मिला, बल्कि उनके परिजनों में भी खुशी की लहर है। मरीज एवं उनके परिजनों ने जिला अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके समर्पण और सेवाभाव की सराहना की है।

पोको ने लॉन्च की पोको एक्स8 प्रो सीरीज़, अगली पीढ़ी के प्रदर्शन (नेक्स्ट-जेन परफॉर्मेंस) को पहुँचाया नई ऊंचाई पर

नईदिल्ली। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने आज अपनी पोकोएक्स 8 Pro सीरीज़ लॉन्च कर दी है। इस सीरीज़ में पोकोएक्स 8 प्रो मैक्स, पोकोएक्स 8 प्रो और एक खास स्पेशल एडिशन पोकोएक्स 8 प्रो – आयरन मैन एडिशन शामिल हैं। एक्स सीरीज़ को एक कदम और आगे ले जाते हुए, इस नई श्रृंखला (लाइनअप) में फ्लैगशिप-लेवल का परफॉर्मेंस, लंबी चलने वाली बैटरी, शानदार मनोरंजन (एंटरटेनमेंट) और प्रीमियम डिज़ाइन का बेहतरीन तालमेल दिया गया है। यह उन यूज़र्स के लिए एक बजोड़ (परफेक्ट) और शानदार अनुभव है, जिनका पूरा ध्?यान प्रदर्शन पर होता है। इस सीरीज़ को अगली पीढ़ी की (नेक्स्ट-जेनरेशन) चिपसेट की ताकत मिली है, जिसे असल ज़िंदगी के इस्तेमाल में तेज़ स्पीड और बेहतरीन एफिशिएंसी (दक्षता) देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पोकोएक्स 8 प्रो मैक्स भारत का पहला ऐसा स्मार्टफोन है जिसमें डाइमेंसिटी 9500S चिपसेट दिया गया है। भारी इस्तेमाल के दौरान भी प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) को लगातार दमदार बनाए रखने के लिए, इस सीरीज़ में उन्नत (एडवांस) कूलिंग सिस्टम दिया गया है। पोकोएक्स 8 प्रो मैक्स में आइसलूप कूलिंग सिस्टम है, जबकि पोकोएक्स 8 प्रो में ड्यूल-लेयर आइसलूप डिज़ाइन का इस्तेमाल किया गया है।

प्राथमिक शाला परसवारा के बच्चों में विकसित हो रहे पर्यावरण संरक्षण के गुण

पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, जल संरक्षण तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने जैसे विषयों पर जागरूकता एवं प्रोत्साहन

मुंगेली(समय दर्शन) विकासखंड लोरमी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला परसवारा आज नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सफलता की मिसाल बनकर उभर रहा है। विद्यालय में गठित यूथ एवं इको क्लब के जरिए बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के गुण विकसित किए जा रहे हैं। विद्यालय में बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक गतिविधियों से जोड़ा गया है। इको क्लब के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, जल संरक्षण तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने जैसे विषयों पर जागरूकता एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है, इससे उनमें जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना के साथ टीम वर्क और रचनात्मकता का भी विकास हो

रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से बच्चों द्वारा विद्यालय और घर-परिवार में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, कचरा प्रबंधन के तहत विद्यालय परिसर के आसपास साफ-सफाई कर अपशिष्ट का उचित निस्तारण किया जा रहा है, जिससे स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण हो रहा है।

जल संरक्षण की दिशा में भी विद्यार्थी सजग हैं। वे पानी के सही उपयोग और अनावश्यक बहाव को रोकने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संदेश जा रहा है।

विद्यालय की एक और विशेष पहल पोषण वाटिका (किचन गार्डन) है, जो आज पूरी तरह विकसित हो चुकी है। यहां उगाई जाने वाली ताजी और मौसमी सब्जियों का उपयोग मध्यान्ह भोजन में किया जाता है। पालक, मेथी, धनिया, लौकी, करेला, टमाटर, भिंडी सहित कई प्रकार की सब्जियां बच्चों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार की जा रही हैं। इस पहल से बच्चों को कृषि और बागवानी का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, साथ ही वे पोषण के महत्व को भी समझ रहे हैं। ताजी सब्जियों के सेवन से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार देखा जा रहा है और उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ा है। विद्यालय के शिक्षक सूरज तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित इन गतिविधियों में समुदाय की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। यह समन्वय न केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि विद्यालय को क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित कर रहा है।

ड्राइवर या 'सारथी' केवल गिग-वर्कर्स नहीं, बल्कि भारत के सबसे बड़े सहकारी आंदोलनों में से एक के हितधारक (Stakeholders) होंगे। - अमित शाह

कैब की बढ़ती कीमतों (Surge Pricing) से बड़ी राहत! ओला-उबर के एकाधिकार को खत्म करेगा 'भारत टैक्सी' ऐप

छत्तीसगढ़ में जल्द होगी शुरुआत - बृजमोहन अग्रवाल

1 मार्च 2026 तक, भारत टैक्सी के पास 21.34 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता (users) और 2.31 लाख पंजीकृत सारथी (Drivers) हैं। - अमित शाह

भारत टैक्सी सेवा वर्तमान में 8 शहरों में चालू है और अगले तीन वर्षों में इसका विस्तार टियर 2 और टियर 3 शहरों में करने का लक्ष्य है। - अमित शाह

रायपुर :- नई दिल्ली: दैनिक यात्रियों और गिग-वर्कर्स को बड़ी राहत देने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार 'भारत टैक्सी' ऐप को तेजी से बढ़ावा दे रही है। यह एक सहकारी- आधारित (Cooperative-based) राइड-हेलिंग विकल्प है, जिसे ओला, उबर और रैपिडो जैसे निजी एग्रीगेटर्स के दबदबे को चुनौती देने के लिए तैयार किया गया है।

लोकसभा सत्र के दौरान रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को उत्तर देते हुए, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस प्लेटफॉर्म के विजन को रेखांकित किया। शाह ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार भारत में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि इसे कॉर्पोरेट क्षेत्र के समान विकास के अवसर मिल सकें और पूरी

दुनिया के सामने एक सफल सहकारी उदाहरण पेश किया जा सके। यात्री अचानक बढ़ती कीमतों से तंग आ चुके हैं, और हमारे ड्राइवर भारी कॉर्पोरेट कमीशन के कारण परेशान हैं। भारत टैक्सी का सहकारी मॉडल इस रोजमर्रा के संकट का एक सटीक और पारदर्शी समाधान है। मैं माननीय अमित शाह जी से औपचारिक अनुरोध करके छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत में तेजी लाऊंगा। - बृजमोहन अग्रवाल

ओला, उबर और रैपिडो का एकाधिकार होगा खत्म

वर्षों से, निजी एग्रीगेटर्स को दोनों पक्षों (ड्राइवर और यात्री) से भारी विरोध का सामना करना पड़ा है। ओला, उबर और रैपिडो जैसी कंपनियाँ नियमित रूप से भारी कमीशन वसूलती हैं—जो अक्सर ड्राइवर की मेहनत की कमाई का 25% से 30% हिस्सा खा जाती हैं। वहीं दूसरी ओर, यात्रियों को मनमाने 'सरज प्राइसिंग' (Surge Pricing) का खामियाजा भुगतना पड़ता है। बढ़ते दैनिक खर्चों के बीच, हवाई अड्डों पर निजी कैब द्वारा वसूला जाने वाला अत्यधिक किराया एक बड़ा सिरदर्द बन गया है, जहाँ उड़ान उतरते ही कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत टैक्सी को इन कमियों को सीधे दूर करने के लिए बेहतर ढंग से डिजाइन किया गया है। ड्राइवरों को सशक्त बनाकर और यात्रियों को दैनिक मूल्य शोषण से बचाकर, भारत टैक्सी ऐप शहरी आवागमन (Urban Mobility) में क्रांति लाने और भारत के डिजिटल सहकारी परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

ईको-पर्यटन का नया केंद्र बन रहा धमनी गांव

रायपुर। प्रकृति के करीब, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना और स्थानीय संस्कृति व वन्यजीवों का सम्मान करते हुए की जाने वाली यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्यजीव का संरक्षण, शिक्षा और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाना ही ईको-पर्यटन है। बलौदाबाजार वनमण्डल के अंतर्गत महानदी के तट पर स्थित ग्राम धमनी अब तेजी से ईको-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के सहयोग से यहां ईको-विलेज के रूप में विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पर्यटकों के लिए नौकाविहार (बोटिंग) सुविधा शुरू की गई है। अब यहां आने वाले पर्यटक प्राकृतिक वातावरण के बीच नदी में नौकायन का आनंद ले सकेंगे। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। परियोजना के तहत गांव के युवाओं और महिला स्व- सहायता समूहों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों की सुविधा के लिए ठहरने की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है, ताकि लोग प्रकृति के करीब रहकर शांत वातावरण का अनुभव कर सकें। वनमण्डलाधिकारी श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि यह पहल जनसहभागिता से संचालित हो रही है, जो वन संरक्षण और ग्रामीण विकास का अच्छा उदाहरण है। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी- कर्मचारी और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वन विभाग का लक्ष्य है कि आने वाले समय में धमनी को प्रदेश के प्रमुख ईको-टूरिज्म स्थलों में शामिल किया जाए।

बस्तर की सरपंच जयंती कश्यप दिल्ली में हुई सम्मानित

रायपुर। बस्तर जिले के विकासखंड जगदलपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत आड़ावाल की सरपंच जयंती कश्यप आज ग्रामीण नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों, स्वच्छता जागरूकता और सामाजिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। गत 11 मार्च 2026 को सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के तहत यूनिसेफद्वारा उन्हें दिल्ली आमंत्रित किया गया, जहां केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंत्रालय में उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 12 सरपंच उपस्थित थे, लेकिन बस्तर की जमीनी स्तर पर सक्रिय और कर्मठ नेतृत्व के लिए जयंती कश्यप को विशेष रूप से सराहा गया। जयंती कश्यप ने अपने गांव में विकास की नई दिशा तय की है। वे पेयजल प्रबंधन, स्वच्छता और साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए काम कर रही हैं। इसके साथ ही निर्धन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने और जरूरतमंद लोगों को सामाजिक सहायता योजनाओं से जोड़ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। पानी बचाओ अभियान के तहत वे ग्रामीणों को जल के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं। घरों के वेस्ट पानी का उपयोग किचन गार्डन में करना, वर्षा जल संचयन के लिए तालाब और डबरी निर्माण तथा भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सोखता गड्ढा बनाने जैसे कार्यों को वे गांव-गांव तक पहुंचा रही हैं।

ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जी राम जी युवा डिजिटल अभियान शुरू

रायपुर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ''माय भारत'' के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान (विकसित भारत-जी राम जी युवा डिजिटल अभियान) की शुरुआत की। इस अभियान के तहत क्विज, वीडियो चेलेंज और रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से देश भर के युवा डिजिटल जन-आंदोलन से जुड़ सकेंगे। अभियान का उद्देश्य ÷विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम, 2025÷ के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना है। 6 मार्च 2026 से शुरू ''60 सेकेण्ड फॉर माय विलेज'' नामक राष्ट्रीय स्तर की शॉर्ट वीडियो, रील, एनिमेटेड वीडियो प्रतियोगिता युवाओं को अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन एवं आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी।जिला दन्तेवाड़ा के जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कटेकल्याण एवं कुआकोण्डा के ग्राम पंचायतों में (विकसित भारत-जी राम जी युवा डिजिटल अभियान) के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतियोगिता आयोजित कर ग्रामीण युवाओं एवं शिक्षित नागरिकों को जोड़ा जा रहा है।

चैत्र नवरात्रि 19 को, माता देवालयों में तैयारी अंतिम चरणों में

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदू नववर्ष गुढ़ीपड़वा, चेट्रीचंड्र संत झूलेलाल महोत्सव एवं चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ चैत्र शुक्ल पक्ष प्रथम तिथि 19 मार्च से प्रारंभ हो रहा है। ज्ञातव्य है कि चैत्र नवरात्र का इंतजार साल भर श्रद्धालुओं को रहता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता रानी के नौ स्वरूपों का विधिवत श्रद्धा के साथ पूजन करने से श्रद्धालुओं को अक्षय सुखों की प्राप्ति होती है। इस बार नवरात्र पूरे नौ दिन की होगी। इस दौरान माता रानी के नौ स्वरूपों का मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत पूजन किया जाएगा। रामनवमीं के दिन 27 मार्च को नवरात्रि का समापन होगा। नगर के प्राचीन मंदिरों महामाया मंदिर, शीतला मंदिर, काली मंदिर सहित प्रदेश के प्रमुख देवी स्थलों मड़वा रानी, डिंडेश्वरी दाई, महामाया मंदिर रतनपुर, अंबिकापुर, बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़, पाताल भैरवी मंदिर राजनांदगांव, मावली मंदिर सिंगारपुर, अंगारमोती मंदिर धमतरी, दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा, चंद्रहासनी मंदिर चंद्रपुर सहित प्रदेश भर के माता देवालयों में ज्योत जंवारा एवं दीप प्रज्वलित करने के लिए अनेक श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी संख्या में नाम दर्ज कराया गया है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में 'न्योता भोज' कार्यक्रम : पोषण, शिक्षा और जनभागीदारी का राज्यव्यापी अभियान

रायपुर। आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित 'न्योता भोज' कार्यक्रम प्रदेश में पोषण, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत अब समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

राज्य स्तर पर जनवरी से फरवरी 2026 तक कुल 9,763 न्योता भोज आयोजनों के माध्यम से 1,83,927 बच्चों को लाभान्वित किया गया है, जो इस योजना की व्यापक सफलता को दर्शाता है।

जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो बिलासपुर जिले में सर्वाधिक 884 आयोजन हुए, जिनमें 18,703 बच्चे लाभान्वित हुए। वहीं कोरबा में 720 आयोजनों के माध्यम से 13,944 बच्चों, रायगढ़ में 690 आयोजनों से 9,835 बच्चों तथा कांकेर में 636 आयोजनों से 7,915 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

इसी प्रकार धमतरी में 606 आयोजन कर 11,228 बच्चों, महासमुंद में 415 आयोजनों के माध्यम से 7,302 बच्चों तथा जांजगीर-चांपा में 439 आयोजनों से 10,518 बच्चों को लाभ पहुंचाया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के नागरिक, जनप्रतिनिधि, दानदाता एवं पालक अपने विशेष अवसरों—जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ या अन्य पारिवारिक खुशियों—पर आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के साथ भोजन साझा कर रहे हैं। इससे बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिल रहा है, साथ ही समाज में उनके प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता भी बढ़ रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले अधिकांश बच्चे ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से होते हैं। ऐसे में 'न्योता भोज' जैसे प्रयास उनके शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यह पहल न केवल कुपोषण को कम करने की दिशा में कारगर साबित हो रही है, बल्कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के प्रति बच्चों और अभिभावकों का आकर्षण भी बढ़ा रही है। शासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने सामाजिक एवं पारिवारिक अवसरों को आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ साझा कर इस अभियान को और मजबूत बनाएं।

स्कूलों का युक्तियुक्तकरण, अपने ही विधायकों के सवालों से घिरे मंत्री...

विधानसभा का बजट सत्र

रायपुर। विधानसभा में आज स्कूलों के युक्तियुक्तरण के मुद्दे पर स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को उन्हीं की पार्टी के विधायकों ने घेरा। भाजपा विधायक व्दय सुनील सोनी एवं राजेश मूणत ने आरोप लगाया कि राजधानी रायपुर की सरकारी स्कूलों का हाल काफी बुरा है।

प्रश्नकाल में विधायक सुनील सोनी का सवाल था कि स्कूल शिक्षा विभाग व्दारा कितनी शालाओं का युक्तियुक्तकरण विगत वर्ष में किया गया? युक्तिकरण के पश्चात् उसकी आधारभूत संरचनाओं रिक्त भूमि, रिक्त भवन इत्यादि के विषय में सरकार व्दारा क्या निर्णय लिए गए? स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव कि तरफ से जवाब आया कि स्कूल शिक्षा विभाग व्दारा विगत वर्ष पूरे प्रदेश में 10 हजार 538 शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया गया है। युक्तियुक्तकरण के पश्चात शालाओं की आधारभूत संरचनाओं रिक्त भूमि, रिक्त भवन इत्यादि को शासकीय कार्यों में आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाएगा।

सुनील सोनी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में लैब, कम्प्यूटर एवं लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं के दावे होते रहे हैं। युक्तियुक्तकरण से क्या कुछ बेहतर हुआ? मंत्री ने कहा कि पूर्व में जो सुविधाएं जी जाती रही थीं उसके साथ-साथ अब ई क्लासेस की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सुनील सोनी ने कहा कि राजधानी रायपुर में मठपुरैना स्कूल, गनपत स्कूल एवं आर.डी. तिवारी स्कूल की बिल्डिंगें जर्जर हो चुकी हैं। क्या नये निर्माण कार्य लिए राशि जारी करेंगे? मंत्री ने कहा कि जो मांगें आती हैं, प्राथमिकता के आधार पर राशि जारी करते हैं। सुनील सोनी ने कहा कि प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में छात्रों की संख्याएं बढ़ी हैं, लेकिन स्कूलों को दी जाने वाली अनुदान राशि कम है। क्या अनुदान राशि बढ़ाएंगे? मंत्री ने कहा कि अनुदान राशि फिक्स है।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि टीचरों के युक्तियुक्तकरण की बात तो समझ में आती थी, स्कूलों का भी युक्तियुक्तकरण कर दिया गया। जो स्कूल खाली हुए, वहां जो परिसम्पत्तियां थीं उनका क्या उपयोग होगा? मंत्री ने कहा कि एक परिसर में चार स्कूल तक चलते थे। परिसम्पत्तियां अनुपयोगी नहीं हो जाएंगी।

भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर में 167 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया गया। युक्तियुक्तकरण से पहले क्या किसी तरह का सर्वे कराया गया था? रायपुर में 3 करोड़ की लागत से बनी एक ऐसी स्कूल भी है जहां बैठने के लिए दरी तक नहीं थी। स्कूलों में न फर्नीचर हैं न पर्याप्त संख्या में शिक्षक।

वन विभाग के 'युवान' पहल से छत्तीसगढ़ के युवा बनेंगें ग्रीन लीडर

रायपुर। बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा "YUVAN - Connecting Youth with Nature" पहल के तहत वॉलेंटियर्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रदेश के वन मंत्री श्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के विशेष प्रोत्साहन से शुरू की गई इस पहल का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को वनों और वन्यजीवों के संरक्षण से जोड़कर उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना है, जिससे युवाओं को प्रकृति, वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जोड़ते हुए उन्हें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए। युवाओं को वनों और वन्यजीवों के महत्व को समझाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में उनकी भागीदारी बढ़ाना। इसमें वनों की पारिस्थितिकी, जैव विविधता, और सांपों के सुरक्षित रेस्क्यू का विशेष प्रशिक्षण देना शामिल है। इस कार्यक्रम में शासकीय लवन

महाविद्यालय, लाइफकेयर कॉलेज ऑफ नर्सिंग और डी.के. कॉलेज बलौदाबाजार के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं सहित क्षेत्र के युवाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को प्रकृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। डॉ. अजय मिश्रा ने वेटलैंड संरक्षण की बारीकियों को समझाया, वहीं श्री सौरव राजवाड़े ने 'युवान' कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही श्री सौरव मेहरा ने मानव-हाथी सह-अस्तित्व जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय पर रोचक प्रस्तुति दी। वनमण्डलाधिकारी श्री धम्मशील गणवीर ने युवान (युवा वन) की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें फील्ड एक्सपोजर और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य के 'ग्रीन लीडर' के रूप में तैयार करेगा। उन्होंने जोर दिया कि प्रकृति और समुदाय के बीच के संबंधों को समझना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य श्री कृषानू चन्द्राकार और प्रशिक्षणरत एसीएफ श्री प्रखर नायक व श्री गुलशन साहू सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस पहल के माध्यम से वन विभाग अब स्थानीय युवाओं को अपनी विभिन्न संरक्षण गतिविधियों और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल करेगाए ताकि पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को एक नई ऊर्जा मिल सके।

ACCU एवं थाना मौदहापारा की संयुक्त कार्रवाई में 24 घंटे के भीतर 12 आरोपी गिरफ्तार, भारी मात्रा में धारदार हथियार बरामद

चाकूबाजी करने वालों, क्षेत्र में शांति भंग करने वाले पत्थरबाजों एवं सार्वजनिक स्थल पर हथियार लहराने वालों पर कड़ी कार्रवाई

रायपुर। सभी पर गैर जमानतीय संगीन धाराओं में हुआ अपराध दर्ज रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराध के प्रति अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एसीसीयू (क्राइम यूनिट) एवं थाना मौदहापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर में कानून व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई है। विभिन्न तीन घटनाओं में संलिप्त कुल 12 आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया में प्रस्तुत किया गया है।

घटना - 01 (मौदहापारा बस्ती में चाकूबाजी एवं जानलेवा हमला)- दिनांक 16.03.2026 को थाना मौदहापारा क्षेत्र अंतर्गत तालाब पार बीटीएस चौक के पास पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों द्वारा प्रार्थी एवं उसके साथी के साथ गाली-गलौज करते हुए विवाद किया गया, जो शीघ्र ही मारपीट में बदल गया। इस दौरान आरोपियों द्वारा चाकू से जानलेवा हमला किया गया एवं जान से मारने की धमकी दी गई। घटना में दो व्यक्तियों को चोटें आईं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी की गई एवं रवि रक्सेल (19 वर्ष), हर्ष कोसले (19 वर्ष), अभय रक्सेल (19 वर्ष) एवं लोकेश रक्सेल (26 वर्ष) को गिरफ्तार

किया गया। आरोपियों के कब्जे से कई धारदार हथियार जब्त किए गए।

घटना - 02 (पत्थरबाजी एवं बलवा - मरही माता मंदिर क्षेत्र) - दिनांक 16.03.2026 को पहली घटना के बाद मरही माता मंदिर के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा समूह बनाकर गाली-गलौज करते हुए पत्थरबाजी की गई, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित हुई एवं आमजन में भय का वातावरण उत्पन्न हुआ। घटना में प्रार्थी पक्ष को चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा त्वरित हस्तक्षेप करते हुए आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में आमिर अहमद (26 वर्ष), मोह. अनस खान (32 वर्ष), मोह. मुशीर खान (29 वर्ष), अब्दुल समीर (29 वर्ष), मोह. फजिल (29 वर्ष) एवं शेख सिकंदर (29 वर्ष) शामिल हैं। सभी के विरुद्ध गैर जमानतीय संगीन धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है।

घटना - 03 (सड़क पर सार्वजनिक स्थल पर हथियार लहराना एवं आमजन को भयभीत करना) - दिनांक 16.03.2026 को घटना क्रमांक दो की प्रतिक्रिया में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि डेंटल कॉलेज चौक के पास कुछ युवक हाथ में धारदार हथियार (तलवार) लेकर आम नागरिकों को डरा-धमका रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा गया।

इस प्रकरण में तीन आरोपी - लोकेश रक्सेल (26 वर्ष), मयंक सोनी (19 वर्ष) एवं पिंटू ठाकुर (26 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से धारदार हथियार बरामद किए गए। आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है।

बरामदगी- तीनों घटनाओं में आरोपियों के कब्जे से दर्जन भर चाकू, तलवार सहित अन्य धारदार हथियार जब्त किए गए हैं। समस्त आरोपियों के विरुद्ध गैर जमानतीय धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट आमजन की सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध है।

प्रथम पृष्ठ शेष

जम्बूरी में भ्रष्टाचार फिर गूंजा, विपक्ष का वॉकआउट

हमारा पार्ट 10 दिसम्बर के बाद का था। राघवेन्द्र सिंह ने अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि आखिर जांच से बच क्यों रहे हैं? टेंडर खुलने से पहले काम शुरु हो जाता है। इससे बड़ा भ्रष्टाचार क्या हो सकता है। मंत्री ने कहा कहा कि लखनऊ में भी जम्बूरी का आयोजन हुआ था। वहां का आयोजन संपन्न होते ही राष्ट्रीय इकाई ने सीधे वेंडर को तैयारी के लिए यहां भेजा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि पूर्व में भी इसी सदन में जम्बूरी को लेकर प्रश्न उठ चुका है। मंत्री की ओर से सही जवाब नहीं आ रहा है, इसलिए बहिर्गमन करते हैं। इसके साथ ही सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गए।

संपादकीय

सोच प्रतिबिंबित हुई

मार्क कार्नी की सोच है कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा में उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मार्क कार्नी की भारत यात्रा का सार है कि नए हालात के बीच भारत और कनाडा ने अपने रिश्तों में फंसे कांटे को निकाल कर आगे की दिशा तय की है। कनाडा के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान तीन प्रमुख फैसले हुए। इसके तहत कनाडा 2.6 बिलियन डॉलर के यूरेनियम की आपूर्ति करने पर राजी हुआ है, दोनों देशों ने इस वर्ष के अंत तक व्यापक आर्थिक सहभागिता समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है, और उन्होंने 2030 तक आपसी व्यापार को (पिछले साल के 23 बिलियन डॉलर से बढ़ा कर) 30 बिलियन डॉलर तक ले जाने का इरादा जताया है। जिस दौर में व्यापार की पुरानी व्यवस्थाएं टूट चुकी हैं, दोनों देशों का अपने संबंध के व्यापारिक पहलुओं पर इस तरह ध्यान केंद्रित करना लाजिमी ही है। इसके पहले मार्क कार्नी अपनी यह सोच सामने रख चुके हैं कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, तब मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा के दौरान उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मगर ऐसे संकेत भी मिले कि कांटा निकलने के बावजूद उसके हुआ जख्म अभी पूरी तरह भरा नहीं है। कार्नी की यात्रा के दौरान ही कनाडा की खुफिया एजेंसियों ने सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों के कथित हाथ से संबंधित सूचनाएं फिर मीडिया को लीक कीं। उधर ये खबर भी चर्चित हुई कि कनाडा के नागरिक एक अन्य सिख चरमपंथी को उसकी जान का खतरा होने को लेकर आगाह किया गया है। इन खबरों को लेकर कनाडाई खुफिया एजेंसी के इरादों पर कूटनीतिक हलकों में कयास लगते रहे। सवाल उठा कि क्या कनाडा के सरकारी दायरे में कुछ ताकतें भारत से अपने देश के सुधरते संबंध को लेकर खुश नहीं हैं? जिस समय भारत और कनाडा ने पुरानी बातों को भूल कर आगे बढ़ने का फैसला किया है, दोनों देशों की सरकारों को ऐसी कोशिशों से सावधान रहना होगा। उन्हें दोनों देशों को जोड़ने वाले पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिनमें भारतीय प्रवासी एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं।

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

पंकज शर्मा

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। दुनिया भर को हर वक़्त अपनी धौंसबाज़ी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ़्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में' उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्षन' और 'बुद्धमत्ता' हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफ़ाज़त के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अर्चना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे। इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्रार्थना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे। लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर ख़ुद की मिमियाहट ख़ुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इज़राइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तक़रीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ़ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज़ नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-ख़ासी मुसीबत मोल ले ली है। ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं। अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए ज़िम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ़र माने जाते हैं। ज़ाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं' की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं। युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा। ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज़ कर रहे हैं। युद्ध के नफ़ा-नुक़्सान पर 'जाकी रही भावना जैसी' के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं।

हिंदू नव वर्ष : नवचेतना का उत्सव

डॉ शिवानी कटारा

भारतीय संस्कृति में समय को केवल कालगणना के रूप में नहीं देखा गया, बल्कि यह व्यक्ति, प्रकृति और ब्रह्मांड के बीच विद्यमान गहरे संबंधों की दार्शनिक अभिव्यक्ति है। इसी दृष्टि से भारतीय नववर्ष का विशेष महत्व है। वर्ष 2026 में हिंदू नववर्ष का आरंभ 19 मार्च, गुरुवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होगा और इसी दिन से विक्रम संवत 2083 प्रारंभ माना जाएगा।

भारतीय दर्शन में समय को रैखिक नहीं, बल्कि चक्रीय रूप में समझा गया है। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग की अवधारणा हो या ऋतुओं का परिवर्तन, दिन-रात का क्रम तथा सूर्य-चंद्रमा की गति—ये केवल खगोलीय घटनाएँ नहीं, बल्कि जीवन में संतुलन और परिवर्तन के संकेत हैं। इसी चक्रीय दृष्टि के कारण पंचांग में तिथियाँ, मास और ऋतुएँ निरंतर नवसृजन और नवचेतना का संदेश देती हैं। इस वर्ष नव संवत्सर का आरंभ गुरुवार को हो रहा है, इसलिए ज्योतिषीय परंपरा के अनुसार वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति माने जाएंगे, जबकि मंगल ग्रह मंत्री होंगे। प्रत्येक संवत्सर का एक विशेष नाम भी निर्धारित किया जाता है, जिसके आधार पर वर्ष के स्वभाव का संकेत माना जाता है। इसी क्रम में विक्रम संवत 2083 को ज्योतिषियों ने रौद्र संवत्सर नाम दिया है। सनातन परंपरा में नववर्ष का महत्व केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। ब्रह्म और नारद पुराण के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ब्रह्मा द्वारा सृष्टि-रचना का आरंभ माना गया है, वहीं भगवान विष्णु ने इसी समय मत्स्य अवतार धारण कर मनु की नौका की रक्षा की थी, जिससे नई सृष्टि की शुरुआत संभव हुई। इसलिए यह तिथि सृजन और नवप्रारंभ का प्रतीक मानी जाती है। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार सृष्टि की रचना के लगभग दो अरब वर्ष बाद सम्राट विक्रमादित्य ने नया संवत् प्रारंभ किया । तिथि और पर्व निर्धारित करने वाले प्राचीन ग्रंथ निर्णय सिन्धु, हेमाद्रि और धर्म सिन्धु में भी इस तिथि को अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है। इसे युगादि कहा गया है, जिसका अर्थ है—युग का आरंभ। विक्रम संवत की कालगणना में महीनों की गणना दो प्रकार से की जाती है। महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में अमावस्या के बाद नया महीना आरंभ माना जाता है, जबकि उत्तर भारत में पूर्णिमा के बाद नया मास प्रारंभ होता है।

भारतीय नववर्ष की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक यह है कि यह पूरे भारत में विविध रूपों में मनाया जाता है, किंतु इसके मूल में निहित भावना एक ही रहती है—नवजीवन, नवचेतना और नवसंकल्प का स्वागत। यही विविधता भारतीय संस्कृति की व्यापकता और समन्वय की शक्ति को दर्शाती है। महाराष्ट्र में हिंदू नववर्ष को गुड़ी पड़वा के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन घरों के बाहर बाँस के डंडे पर रेशमी वस्त्र, नीम-पत्तियाँ और एक उल्टा रखा हुआ कलश सजाकर गुड़ी स्थापित की जाती है। यह गुड़ी विजय, समृद्धि और शुभारंभ का प्रतीक मानी जाती है। परंपरा के अनुसार इसे भगवान राम की लंका विजय और धर्म की स्थापना का प्रतीक भी माना जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, रंगोली बनाते हैं और पारंपरिक व्यंजन तैयार करते हैं। दक्षिण भारत में यही पर्व उगादी के नाम से मनाया जाता है। उगादी का अर्थ ही है—नए युग का आरंभ। इस अवसर पर लोग अपने घरों को आम के पत्तों से सजाते हैं और विशेष पकवान बनाते हैं। उगादी का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक पक्ष पंचांग श्रवण की परंपरा है, जिसमें विद्वान पंडित नए वर्ष के ग्रह-नक्षत्रों और संभावित घटनाओं का विवरण सुनाते हैं। उगादी के दिन एक विशेष व्यंजन बनाया जाता है जिसमें मीठा, कड़वा, खट्टा और तीखा—सभी स्वाद शामिल होते हैं। यह जीवन के विविध अनुभवों का प्रतीक माना जाता है और यह संदेश देता है कि जीवन में सुख-दुख दोनों को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। कश्मीर में भारतीय नववर्ष को नवरेह के रूप में मनाया जाता है। यह कश्मीरी पंडित समुदाय का प्रमुख सांस्कृतिक पर्व है। इस दिन परिवार के सदस्य एक विशेष थाली सजाते हैं जिसमें चावल, दही, सिक्के, पंचांग और धार्मिक प्रतीक रखे जाते हैं। प्रात:काल इन प्रतीकों के दर्शन को शुभ माना जाता है, क्योंकि यह समृद्धि, ज्ञान और संतुलन का प्रतीक होते हैं। नवरेह केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। उत्तर भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से चैत्र नवरात्रि का आरंभ होता है। यह शक्ति-उपासना का महत्वपूर्ण पर्व है जिसमें माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस प्रकार उत्तर भारत में नववर्ष केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि नौ दिनों की साधना, भक्ति और आत्मसंयम की परंपरा से जुड़ जाता है। घरों में कलश स्थापना की जाती है और भक्त उपवास, जप और पूजा के माध्यम से देवी की आराधना करते हैं। इन सभी परंपराओं को देखने से स्पष्ट होता है कि हिंदू नववर्ष भारत की विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण है और भारतीय संस्कृति की जीवंतता और निरंतरता का प्रतीक है।

ऋतु परिवर्तन के इस समय में शरीर और प्रकृति दोनों में स्वाभाविक बदलाव दिखाई देते हैं, इसलिए आयुर्वेद और धर्मग्रंथों में चैत्र मास के लिए विशेष आचार-विचार बताए गए हैं। इस अवधि में सूर्य को अपनी उच्च स्थिति में माना जाता है, जो ऊर्जा और प्रकाश की वृद्धि का संकेत देता है। इसी समय वसंत ऋतु का आगमन होता है, जब प्रकृति नवजीवन से भर उठती है—वृक्षों में नई कोपलें फूटती हैं और पुष्प खिलने लगते हैं। यही कारण है कि वसंत को भारतीय परंपरा में ऋतुराज कहा गया है, क्योंकि इस समय मौसम सुहावना होता है—न अधिक शीत और न ही तीव्र गर्मी। अत: इस काल में सूर्योदय से पूर्व उठना, स्नान करना, सूर्य को अर्घ्य देना, ध्यान-योग करना और सात्विक आहार ग्रहण करना स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए लाभकारी माना गया है। इसी कारण चैत्र मास में अनेक व्रत-पर्वों और धार्मिक आचरणों की परंपरा विकसित हुई है।

भारतीय नववर्ष का सामाजिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं, पूजा-पाठ करते हैं और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं। कई लोग इस दिन नए व्यापार, योजनाओं या जीवन के नए संकल्पों की शुरुआत करना शुभ मानते हैं। यह पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा, मेल-जोल और समरसता का वातावरण भी बनाता है। दार्शनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारतीय नववर्ष समय-दर्शन की उस अवधारणा को प्रकट करता है जिसमें सृष्टि, पालन और संहार का चक्र निरंतर चलता रहता है। हर समाप्ति के गर्भ में एक नई शुरुआत का बीज होता है और हर आरंभ अपने साथ नई संभावनाओं का आकाश लेकर आता है। यह नववर्ष हमें स्मरण कराता है कि जीवन निरंतर परिवर्तन और नवनिर्माण की प्रक्रिया है। प्रकृति के इस नवोदय के साथ मनुष्य भी अपने भीतर नई ऊर्जा, नए संकल्प और नई चेतना का संचार करता है।

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया?

सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों—जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों—में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ- देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढने या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।

दूषित जल: विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

ललित गर्ग

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंतत: खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है। निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

कहीं आप भी...
बार-बार बदलते हैं बोतल बंद पानी

मुश्किल में न डाल दें ये.... सेहतमंद आदतें

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को

सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

बोतल बंद पानी बदलना

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

पैरेंट्स को मीटिंग में जाने की जरूरत क्या है

ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्च पढ़ाई में अव्वल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदगी डोलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पेरेंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती.

खुशबू से महकेगा घर...

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबत्तियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबत्तियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबत्तियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खौलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.
- गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.

फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं।

संक्षिप्त समाचार

तालदेवरी बारहवीं बोर्ड की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

जांजगीर (बिर्रा)//समय दर्शन //माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर व्दारा आयोजित हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा 24फरवरी से 14मार्च तक परीक्षा हुआ जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तालदेवरी को परीक्षा केंद्र बनाया गया परीक्षा केंद्र तालदेवरी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शासकीय डीडीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर बिर्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलादेही जीनियस पब्लिक स्कूल बिर्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तालदेवरी के करीब 233परीक्षार्थी ने परीक्षा में शामिल हुए तथा तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। तथा परीक्षा केंद्र में केन्द्राध्यक्ष रमेश कुमार मेहरा दिशानिर्देश सहायक केन्द्राध्यक्ष सुश्री बबीता भगत मार्गदर्शन परीक्षा कन्ट्रोलर श्रीमती पापिया चक्रवर्ती व परीक्षा नियंत्रक सहयोगी बंधुराम साहू योगेश निर्मलकर हेमन्त कुमार कश्यप संकुल समन्वयक ललित मनहर के निरंतर व्यवस्था से बारहवीं बोर्ड की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुआ जिसमें परीक्षा केंद्र में एक भी नकल प्रकरण नहीं बना साथ ही परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थी अनुचित साधन का उपयोग नहीं किया गया जिसके कारण नकल प्रकरण नहीं बना है वहीं हर रोज सभी परीक्षा कक्ष का केन्द्राध्यक्ष रमेश कुमार मेहरा सहायक केंद्राध्यक्ष सुश्री बबीता भगत के व्दारा लगातार सभी कमरा का निरीक्षण किया जा रहा था। वहीं सभी परीक्षा केंद्र के कमरा में अलग अलग पर्यवेक्षक ड्यूटी लगाई जा रही थी। पर्यवेक्षक ड्यूटी में तुलेश्वर देवांगन हेमन्त कुमार कश्यप पंकज यादव कन्हैया देवांगन नागेश देवांगन सुरेश कुमार मनोहर ड़ड़सेना सुशील नेताम मनीषा बेबी चौहान अर्पणा बड़ा अनिता राज प्रीति मिंज गुड़िया केवट माधुरी तंबोली पुष्पा कश्यप मनोज देवांगन कृष्ण कुमार कश्यप नवधा चद्रा शामिल थे।

सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी M17e 5G, भारत की युवा और हमेशा एक्टिव रहने वाली पीढ़ी के लिए स्मार्टफोन के अनुभव को दिया नया रूप

गुरुग्रामः भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज गैलेक्सी M17e 5G, को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्मार्टफोन 20 मार्च से Samsung.com, अमेज़न और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा, जिसकी शुरुआती कीमत 13,999 रुपये रखी गई है। गैलेक्सी M सीरीज़ सैमसंग के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है, और गैलेक्सी M17e 5G, इसी विरासत को आगे बढ़ाता है। युवा भारतीय उपभोक्ताओं की लगातार बदलती (डायनामिक) जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह स्मार्टफोन प्रमुख फीचर्स— एक स्मूथ डिस्प्ले, लंबी चलने वाली बैटरी, दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरे और स्मार्ट सॉफ्टवेयर— में भरोसेमंद परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के इस्तेमाल की शानदार सुविधा देता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के डायरेक्टर, अक्षय एस राव ने कहा, गैलेक्सी M17e 5G, ऐसे इनोवेशन और अनुभव देता है जो जेन जी के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। मूल्य (वैल्यू) को महत्व देने वाले ये युवा यूजर्स ऐसे डिवाइस चाहते हैं जिनमें लंबी बैटरी लाइफ स्मूथ ऐप परफॉर्मेंस, हाई-क्वालिटी फोटोग्राफी और प्रोडक्टिविटी (उत्पादकता) बढ़ाने वाले स्मार्ट फीचर्स हों। हाई-रिफ्रेश-रेट डिस्प्ले, बड़ी बैटरी, पावर-एफिशिएंट 5G प्रोसेसर, 50MP कैमरा सिस्टम, इंटीग्रेटेड एआई टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ, गैलेक्सी M17e 5G, एक ऐसा भरोसेमंद स्मार्टफोन अनुभव सुनिश्चित करता है जिसकी इस पीढ़ी को तलाश है। गैलेक्सी M17e 5G, में 120 ॥5 रिफ्रेश रेट के साथ 6.7 इंच की स्क्रीन दी गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हर स्क्रॉल, स्वाइप और टैप एकदम स्मूथ (निर्बाध) लगे।

निधन : श्रीमती मीनादेवी रुंगटा

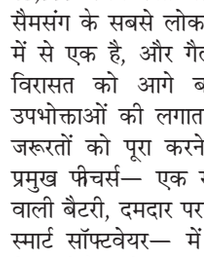

दुर्ग । गंजपारा निवासी श्रीमती मीनादेवी रुंगटा का बुधवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 मार्च, गुरुवार को दोपहर 3 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे स्व. शिवशंकर रुंगटा की पत्नी और मनीष रुंगटा, नितिन रुंगटा की माताजी थी।

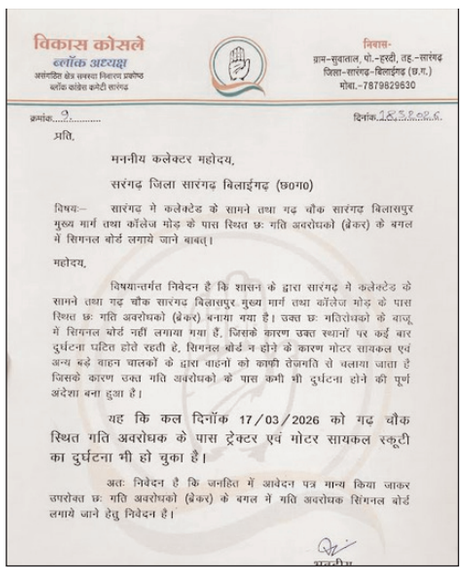

सारँगढ सड़कों पर हादसों को दावत दे रहे 'अदृश्य' ब्रेकर; विकास कोसले ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

गढ़ चौक और कॉलेज मोड़ जैसे संवेदनशील इलाकों में तत्काल 'सिग्नल बोर्ड' लगाने की मांग ; कल हुए हादसे का दिया हवाला

सारंगढ़ -टारजन महेश (समय दर्शन) 18 मार्च 2026 सारंगढ़ ब्लॉक के क्षेत्र समस्या निवारण अध्यक्ष विकास कोसले ने नगर की यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर के मुख्य मार्गों पर स्थित गति अवरोधकों (ब्रेकर्स) के कारण लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए, उन्होंने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।

प्रमुख बिंदु और मांगें: 1. अदृश्य मौत के जाल बने ब्रेकर: ज्ञापन में बताया गया कि कलेक्ट्रेट के सामने, गढ़ चौक (बिलासपुर मुख्य मार्ग) और कॉलेज मोड़ जैसे व्यस्त क्षेत्रों में कुल 6 गति अवरोधक बनाए गए हैं। लेकिन, इनके बगल में कोई भी चेतावनी या 'गति अवरोधक सूचक बोर्ड' (Signal Board) नहीं लगा है।

विकास कोसले
ब्लॉक अध्यक्ष
असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ
ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सारंगढ़

निवास-
ग्राम-सुवाताल, पो.-हरदी, तह.-सारंगढ़
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
मोबा.-7879829630

क्रमांक 9 | दिनांक 18.3.2026

प्रति,

मननीय कलेक्टर महोदय,

सरंगढ़ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ0ग0)

विषयः— सारंगढ़ मे कलेक्टेड के सामने तथा गढ़ चौक सारंगढ़ बिलासपुर मुख्य मार्ग तथा कॉलेज मोड़ के पास स्थित छः गति अवरोधको (ब्रेकर) के बगल में सिगनल बोर्ड लगाये जाने बाबत्।

महोदय,

विषयान्तर्गत निवेदन है कि शासन के द्वारा सारंगढ़ मे कलेक्टेड के सामने तथा गढ़ चौक सारंगढ़ बिलासपुर मुख्य मार्ग तथा कॉलेज मोड़ के पास स्थित छः गति अवरोधको (ब्रेकर) बनाया गया है। उक्त छः गतिरोधको के बाजू में सिगनल बोर्ड नहीं लगाया गया हैं, जिसके कारण उक्त स्थानों पर कई बार दुर्घटना घटित होते रहती हे, सिगनल बोर्ड न होने के कारण मोटर सायकल एवं अन्य बड़े वाहन चालकों के द्वारा वाहनों को काफी तेजगति से चलाया जाता है जिसके कारण उक्त गति अवरोधको के पास कभी भी दुर्घटना होने की पूर्ण अंदेशा बना हुआ है।

यह कि कल दिनॉक 17/03/2026 को गढ़ चौक स्थित गति अवरोधक के पास ट्रेक्टर एवं मोटर सायकल स्कूटी का दुर्घटना भी हो चुका है।

अतः निवेदन है कि जनहित में आवेदन पत्र मान्य किया जाकर उपरोक्त छः गति अवरोधको (ब्रेकर) के बगल में गति अवरोधक सिंगनल बोर्ड लगाये जाने हेतु निवेदन है।

2. तेज रफ्तार और दुर्घटनाएं: रात के अंधेरे या तेज रोशनी में वाहन चालकों को ये ब्रेकर दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

3. कोसले ने प्रशासन का ध्यान कल (17 मार्च) गढ़ चौक पर हुए ट्रैक्टर और स्कूटी के बीच भीषण टक्कर की ओर आकर्षित किया, जो इन बोर्डों के अभाव के कारण हुई।

4. जनहित में त्वरित कार्रवाई: ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से पुरजोर मांग की गई है कि भविष्य में किसी भी बड़ी जनहानि को रोकने के लिए इन सभी 6 स्थानों पर तत्काल रिफ्लेक्टर वाले सिग्नल बोर्ड लगाए जाएं।

नेतृत्व और उपस्थिति- ज्ञापन सौंपते समय विकास कोसले के साथ संगठन के संयुक्त महामंत्री विक्रम जोल्हे, संयुक्त सचिव विष्णु रात्रे एवं अन्य कांग्रेस जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

राजकीय सर्जिकल कॉन्फ्रेंस में डॉ. शुभम गुप्ता हुए सम्मानित

जांजगीर-चांपा // समय दर्शन // बीते दिनों 15 मार्च को राजकीय सर्जिकल कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेंस एशोसिएशन ऑफसर्जन ऑफइंडिया के तत्वावधान में संपन्न हुई, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से प्रख्यात सर्जन एवं विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न राज्यों से आए नामचीन संस्थानों के वरिष्ठ सर्जन एवं प्रोफेसर मुख्य अतिथि एवं गेस्ट स्पीकर के रूप में शामिल हुए। इनमें के. ई. एम. हॉस्पिटल, कानपुर मेडिकल कॉलेज तथा सावंगी मेडिकल कॉलेज, वर्धा के सुप्रसिद्ध सर्जन शामिल रहे।

सम्मेलन के दौरान आधुनिक सर्जिकल तकनीकों, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी और लेज़र सर्जरी जैसे विषयों पर विस्तृत वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए।

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में जांजगीर-चांपा जिले के प्रख्यात सर्जन स्वर्गीय डॉ. एस. पी. गुप्ता के सुपुत्र डॉ. शुभम गुप्ता को विशेष आमंत्रण पर वक्तव्य देने का अवसर मिला। डॉ. गुप्ता गुदा रोग विशेषज्ञ एवं लेज़र सर्जन हैं। उन्होंने भगंदर (फिस्टुला) एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विषय पर अपने अनुभव और आधुनिक उपचार पद्धतियों को साझा किया, जिसे विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने सराहा।

डॉ. शुभम गुप्ता को उनके उत्कृष्ट सर्जिकल कार्य और वैज्ञानिक प्रस्तुति के लिए सम्मानित भी किया गया। इस सम्मेलन में वे सबसे कम उम्र के लेज़र सर्जन रहे, जिन्हें दो स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि को जांजगीर-चांपा जिले के लिए हर्ष और गर्व का विषय बताया जा रहा है।

सम्मेलन में उपस्थित सर्जनों और विशेषज्ञों ने डॉ. गुप्ता के कार्य की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञान भारती विद्यालय जाँजगीर में हुआ पुरस्कार वितरण एवम् सम्मान समारोह का आयोजन

जाँजगीर चाम्पा// समय दर्शन // ज्ञान भारती उच्च. माध्य. विद्यालय जाँजगीर एवं ज्ञान भारती इंग्लिश मीडियम स्कूल जाँजगीर केसंयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में वार्षिक परीक्षा 2024-25में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तथा वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के तैल चित्र पर फूल-माला अर्पण कर संस्था के संचालक डॉ. आर. सी. पाण्डेय तथा आर. के. जैन पूर्व प्राचार्य द्वारा किया गया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत माँ वीणा वादिनी के वंदना गीत के पश्चात खेलकूद कार्यक्रम में कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, लम्बी दौड़, मेंढक दौड़, चम्मच दौड़, लंगड़ी दौड़, खो-खो, क्रिकेट , बैडमिंटन, कबड्डी , थाल सज्जा, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, पोस्टर , हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता में प्रथम,

द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र/छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्रीमती सीमा कश्यप प्राचार्या (हिन्दी माध्यम), गणेश राम जांगड़े प्राचार्य (अंग्रेजी माध्यम), देवेन्द्र राठौर विद्यालय प्रबंधक, गीतेश राठौर सहायक प्रबंधक, सुमन्त पटेल कार्यालय सहायक, एवं समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई तथा माता-पिता, गुरुजनों का मान सम्मान बढ़ाने तथा देश के सच्चे सेवक बनकर राष्ट्रहित में कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

राजनांदगांव की शिक्षिका पद्मा साहू को 'छत्तीसगढ़ महतारी सम्मान 2026

मूकबधिर बच्चों के उज्जवल भविष्य की मिसाल बनीं

राजनांदगांव (समय दर्शन)। समर्पण, संवेदना और सेवा की मिसाल बनी आस्था मूकबधिर शाला की शिक्षिका पद्मा साहू को राज्य स्तरीय 'छत्तीसगढ़ महतारी सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया है। राजधानी रायपुर के वृंदावन हॉल में नवसृजन मंच द्वारा आयोजित भव्य समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रदेश के 22 जिलों से आई प्रविष्टियों में से पद्मा साहू का चयन मूकबधिर बच्चों की शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया। समारोह में मुख्य रूप से अमरजीत छाबड़ा, अर्चना झा और मिलीना कुरें विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पद्मा साहू लंबे समय से मूकबधिर बच्चों को न केवल शिक्षा दे रही हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने का भी कार्य कर रही हैं। वे बच्चों को विशेष पद्धति से पढ़ाने के साथ-साथ उनकी काउंसलिंग कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उनके प्रयासों से कई बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़ पाए हैं।

शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं का समावेश ही उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया है। मूकबधिर बच्चों के जीवन को संवारने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। यही कारण है कि उनका कार्य आज पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।

यह सम्मान न केवल पद्मा साहू के अथक प्रयासों की पहचान है, बल्कि उन सभी शिक्षकों के लिए भी एक संदेश है, जो विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का संकल्प रखते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय में क्रिश देवांगन का चयन

बिरा: //समय दर्शन // जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल, बिर्रा में अध्ययनरत छात्र क्रिश देवांगन का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में होने पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा क्रिश देवांगन के निवास पहुँचकर उन्हें पुष्पहार अर्पित करते हुए उनके माता-पिता एवं परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। ज्ञात हो कि जय भारत स्कूल, बिर्रा द्वारा प्रतिवर्ष नवोदय विद्यालय सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों का चयन होता रहा है, जो बिर्रा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय द्वारा अब तक कुल 7 विद्यार्थियों का चयन नवोदय विद्यालय में कराया जा चुका है, जो विद्यालय की गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का प्रमाण है। विद्यालय परिवार ने क्रिश देवांगन को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने फिर खोला मोर्चा, 'मोदी की गारंटी' को लेकर सरकार को घेरा

सारँगढ बिलाईगढ़- टारजन महेश (समय दर्शन) प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौपा

फेडरेशन का कहना है कि विधानसभा चुनाव के दौरान 'मोदी की गारंटी' के तहत कर्मचारियों से जो वादे किए गए थे, उन्हें अब तक पूरा नहीं किया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में कई बार पत्राचार और जिला कलेक्टरों के माध्यम से ज्ञापन सौंपने के बावजूद शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

प्रमुख मांगें जिन पर अड़ा फेडरेशन: DA एरियर्स का समायोजन: जुलाई 2016 से लंबित महंगाई भत्ते (DA) की एरियर्स राशि को कर्मचारियों के तत्काल खाते में तत्काल समायोजित किया जाए।

समयमान वेतनमान: प्रदेश में कर्मचारियों को 04 स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान (क्रमशः 8, 16, 24 और 32 वर्ष की सेवा पर) प्रदान किया जाए।

अर्जित अवकाश नगदीकरण: मध्य प्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी अर्जित अवकाश के नगदीकरण की सीमा को बढ़ाकर 300 दिवस किया जाए।

पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट: लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग की वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग।

सेवा गणना और ञ्ञश्वञ्ञ: शिक्षकों की सेवा गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से करने और ञ्ञश्वञ्ञ की अनिवार्यता समाप्त कर तमिलनाडु सरकार की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखने की मांग।

वेतनमान: सहायक शिक्षकों और सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को भी त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान देने की अपील।

अनुकंपा नियुक्ति: अनुकंपा नियुक्ति में लगी 10त्न की सीलिंग को समाप्त कर इसे बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग।

नियमितीकरण: पंचायत सचिवों का शासकीयकरण करने के साथ-साथ प्रदेश में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी, संविदा और अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग।

सेवानिवृत्ति आयु: सभी विभागों में सेटअप पुनरीक्षित कर रिक्त पदों को भरने और सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने का प्रस्ताव।

?भर्ती और अटेंडेंस: आधार बेस्ड अटेंडेंस को बंद करने और विभागों में रिक्त पड़े पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग।

ज्ञापन में संदर्भ दिया गया है कि फेडरेशन द्वारा पिछले वर्ष जुलाई और दिसंबर 2025 में भी लगातार ध्यानाकर्षण कराया गया था। कर्मचारियों का कहना है कि वे केवल अपनी जायज मांगों की पूर्ति चाहते हैं, लेकिन शासन की ओर से हो रही देरी उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रही है। आगामी रणनीति- कर्मचारी नेताओं का कहना है कि यदि शासन द्वारा इन मांगों पर जल्द ही सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया, तो आने वाले समय में यह आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे और अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

भोरमदेव महोत्सव की संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ी रंग, भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम

प्रसिद्ध गायक दिलीप षडंगी जसगीत और आरु साहू के लोकरंग से सराबोर रहा महोत्सव

कवर्धा (समय दर्शन)। भोरमदेव महोत्सव की संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ की लोक और शास्त्रीय संस्कृति संगम में गीत, संगीत और नृत्य के माहौल में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय और अन्य जिलों से आए कलाकारों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। दर्शक देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे और तालियों की गूंज से पूरा महोत्सव परिसर गूंजता रहा।

दिलीप षडंगी की प्रस्तुति में देर रात तक झूमते रहे दर्शक- कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध जगराता एवं लोकगायक दिलीप षडंगी, जिन्होंने अपनी दमदार आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जांजगीर के चंदवा बैगा3, हर हर हर भोला गुरु महादेव3 आमा पान के पतरी अऊ करेला पान के दोना... और लाली लाली चुनरी ओढ़े दाई मोर3 जैसे भक्ति गीतों से उन्होंने पूरे माहौल को श्रद्धा से भर दिया। वहीं बोरे बासी संग म खवाहु3, छुनूर छुनूर पैरी बाजे रे गोरी3 जैसे छत्तीसगढ़ी गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी प्रस्तुति में भक्ति, लोक और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। उनकी शानदार प्रस्तुति ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर रात तक झूमते नजर आए।

भोरमदेव महोत्सव की संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का शानदार रंग देखने को मिला, जब लोकप्रिय लोकगायिका आरु साहू ने अपने सुमधुर स्वर में एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह जीवंत कर दिया और दर्शक देर रात तक झूमते रहे। उन्होंने मैया झुप-झूप महुला नचाई रे... से शुरुआत कर उत्साह का माहौल बनाया, वहीं हर घर में एक ही नारा गूंजेगा... और सुआ गीत तरी हरि नाना... जैसे गीतों ने दर्शकों में जोश भर दिया। सावन म शिव जी ला मानबो... ने भक्ति का रंग घोला, जबकि जब खेलव दुलरवा रनभन रनभन ओ... और झूपत झूपत आबे दाई... जैसे गीतों ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। भोरमदेव महोत्सव में ग्राम बरपानी के मोहन ने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय का पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस लोकनृत्य ने आदिवासी संस्कृति की झलक पेश करते हुए दर्शकों की आकर्षक का केंद्र रहा। कवर्धा और बोड़ला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने रामेश्वरम दर्शन एवं नरसिंह अवतार पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। छात्राओं की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। शास्त्रीय नृत्य की कड़ी में रायपुर की अक्षिता दुबे और कवर्धा की दुर्गेश्वरी चंद्रवंशी ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को प्रभावित किया। उनके सधे हुए कदम और आकर्षक मुद्राओं ने खूब तालियां बटोरीं। इसी क्रम में बिलासपुर के युवराज सिंह लोनिया ने सुमधुर भजन प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। वहीं अध्या पांडे ने भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति देकर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

खबर-खास

पुलिस विभाग में तबादला आदेश जारी, कई आरक्षकों का हुआ स्थानांतरण

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय गरियाबंद द्वारा 18 मार्च 2026 को प्रशासनिक आधार पर तबादला आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत जिले में पदस्थ कई प्रधान आरक्षक और आरक्षकों को आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से नई पदस्थापना दी गई है ।आदेश के अनुसार मुकेश टोप्पो,कुमार ध्रुव,कविंद्र कुमार सिन्हा,चुमेश्वर ध्रुव, विरेन्द्र कुमार पटेल,अनिल कुमार पांडे और कोमल प्रसाद सहित अन्य कर्मचारियों के कार्यस्थल में बदलाव किया गया है ।इन्हें थाना पाण्डुका,मैनपुर, शोभा, पीपरछेड़ी, बिन्द्रानवागढ़ चौकी तथा यातायात शाखा में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है ।पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल प्रभाव से अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर आमद दें। आदेश की प्रति पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज सहित जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। इस प्रशासनिक फेरबदल को पुलिस व्यवस्था को और बेहतर एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

रोजी-रोटी की तलाश बनी मौत की वजह, करंट से झुलसे मिस्त्री ने तोड़ा दम

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर से 10 किलोमीटर दूर ग्राम घटकु नवापारा में एक बेहद ही दर्दनाक हादसा हुआ जिसमे ज़िन्दगी और मौत के बीच लड़ते युवक को मौत ने आपने आगोस में ले लिया हाई टेंसन की तार में बुरी तरह झुलसे युवक को जिला अस्पताल से रायपुर भेजने की तैयारी बस चल ही रही थी और मौत ने उसे अपने पास बुला लिया ।ग्राम घटकु नवापारा में हाईटेंशन बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया,जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई ।मृतक मिस्त्री का काम करने के लिए गांव आया हुआ था ।जानकारी के अनुसार मृतक छुरा क्षेत्र के ग्राम पिपरहट्टा का निवासी बताया जा रहा है जो घटकू नवापारा ग्राम में मंदिर निर्माण करने के काम में आया था जो मंदिर का गुंबद बनाने छत के ऊपर सुबह करीब 10 बजे चढ़ा ।उसी मंदिर के ऊपर से हाइटेंशन विद्युत तार गया हुआ था,वही काम के दौरान वह अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया ।घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे तत्काल जिला अस्पताल गरियाबंद पहुंचाया,जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया ।चिकित्सकों के अनुसार वह गंभीर रूप से झुलस चुका था और हालत नाजुक बनी हुई थी ।जिसके चलते बेहतर इलाज के लिए उसे रायपुर रेफर करने की तैयारी की जा रही थी,इसी दौरान घायल व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच युवक की उम्र बताया जा रहा है ।घटना के बाद प्रशासन द्वारा मामले की जानकारी ली जा रही है।

कैमरों की नजर से नहीं बचेंगे नियम तोड़ने वाले, दुर्ग में हजारों ई-चालान जारी

दुर्ग। अब सड़क पर नियम तोड़कर बच निकलना आसान नहीं रहा। दुर्ग में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ङ्क्षङ्करूस्) के तहत लगे अत्याधुनिक कैमरे चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं और हर उल्लंघन सीधे चालान में बदल रहा है। इसी सख्ती का नतीजा है कि वर्ष 2026 में अब तक 8926 से अधिक ई-चालान जारी किए जा चुके हैं।

यातायात पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील मार्गों पर हाईटेक कैमरों का जाल बिछाया है, जो बिना मौके पर रोके ही नियम तोड़ने वालों की पहचान कर लेते हैं। इन कैमरों की मदद से हेलमेट न पहनना, तीन सवारी चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए भागने जैसे मामलों में भी सटीक कार्रवाई की जा रही है।

खास बात यह है कि पूरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और प्रमाण आधारित है। कैमरों में दर्ज साक्ष्यों के आधार पर ई-चालान सीधे वाहन मालिक के मोबाइल और पते पर भेजा जा रहा है, जिससे किसी भी तरह की मनमानी की गुंजाइश खत्म हो गई है।

भोरमदेव महोत्सव जहां एक दिवसीय, वहां तीन दिवसीय क्यों नहीं हो पाया ?

कवर्धा (समय दर्शन)। भोरमदेव कारिडोर निर्माण के चलते तेरस पर आयोजित होने वाला तीन दिवसीय मेला भोरमदेव महोत्सव धीरे धीरे उन्नति के शिखर पर पहुंचने की जगह अवनति की ओर जाने लगा है। प्रारंभ के कुछ वर्षों में होने वाला तीन दिवसीय मेला इस वर्ष केवल एक दिवसीय आयोजन के साथ औपचारिकता निभाई गई और कारण बताया गया कि भोरमदेव कारिडोर निर्माण। लोगों का मानना है कि निर्माण कार्य के चलते जहां एक दिवसीय आयोजन नहीं हो सका, वहां तीन दिवसीय आयोजन कैसे हो पाता। इस बात को सही मान भी लिया जाय, तो दूसरी ओर यह सवाल गले से नीचे नहीं उतर पाता कि जहां एक दिवसीय आयोजन हुआ, वहां तीन दिवसीय आयोजन क्यों नहीं हो पाया ?

छग के साथ ही पूरे देश में अपनी अमिट पहचान बना चुका 30 वां भोरमदेव महोत्सव प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढते देखा गया। महोत्सव के आमंत्रण पत्र में उपमुख्यमंत्री, विधायक, सांसद के साथ अनेक जनप्रतिनिधियों का नाम छापे गए, लेकिन कार्यक्रम में सभी चेहरा मंच से गायब रहे। आमंत्रण पत्र में मुख्य अतिथि, कार्यक्रम अध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि की अनुपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के बीच यह चर्चा गर्म रही कि जिनका नाम इतनी प्रमुखता से छापा गया, वे कार्यक्रम में क्यों नहीं पहुंचे। क्या इन अतिथियों से कार्यक्रम में आने की पूर्व सहमति ली गई थी, या फिर केवल कार्यक्रम को भव्य दिखाने के लिए उनका नाम कार्ड में अंकित कर दिया गया। यदि सहमति ली गई थी, तो फिर अंतिम समय में अनुपस्थित रहने के पीछे क्या कारण रहे और यदि सहमति नहीं ली गई थी, तो यह सीधे-सीधे प्रोटोकॉल और गरिमा का उल्लंघन माना जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम में स्थानीय स्तर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शानदार रहीं, लेकिन कार्ड में छपे और मंच से गायब अतिथियों की चर्चा पूरे महोत्सव पर भारी पड़ती नजर आई।

ब्रह्माकुमारीज 90 वर्ष नवदशकोत्सव के उपलक्ष में मीडिया परीचर्चा..

नकारात्मक खबरों के प्रभाव से न्यारे होकर कर्म करें....

मीडिया सदस्यों ने लिया खेलों का आनंद और किया राजयोग मेडिटेशन..

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अपने 90 वर्ष नवदशकोत्सव के उपलक्ष्य में आज सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में मीडिया परीचर्चा स्नेह मिलन का आयोजन किया गया।

मीडिया परिचर्चा में भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना के बारे में बताते हुए कहा कि पाकिस्तान स्थित सिंध से ब्रह्मा बाबा द्वारा परमात्म प्रेरणाओं और नई सतयुगी दुनिया के दिव्य साक्षात्कार के आधार पर इस यज्ञ की शुरुआत 1936 में हुई।

पिताश्री ब्रह्मा बाबा ने अपने लौकिक बच्चों के होते हुए भी अपनी संपूर्ण संपत्ति को माताओ और बहनों का ट्रस्ट बनाकर सर्वस्व समर्पित किया और इस संस्था की शुरुआत हुई और तब से लेकर आज तक अनवरत अथक रूप से संस्था 140 देशों में 8000 से अधिक सेवा केंद्रों के माध्यम से समाज के हर व्यक्ति को निशुल्क रूप से राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मक जीवनशैली, तनाव प्रबंधन की सेवाएं दे रही। आशा दीदी जी ने बताया कि परमात्मा ने अपने विशेष कार्य नई दुनिया की स्थापना के लिए शिव शक्ति, नारी शक्ति बहनों और माताओं को इस कार्य के लिए चुना क्योंकि माताएं और बहने त्याग ईश्वरीय स्नेह से सभी को निस्वार्थ पालना से सींचती है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने सभी मीडिया सदस्यों को अपने प्रतिदिन के कार्य से तथा नकारात्मक खबरों के प्रभाव से न्यारा (डिटेच) होकर अपना पार्ट बजाने का निवेदन करते हुए कहा कि उदाहरण के रूप में यदि पुनीत इस्सर दुर्योधन के रोल से बाहर नहीं निकलता तो सोचिए उनका जीवन कितना नेगेटिविटी से भर जाता, आप सभी मीडिया सदस्य दिन भर नकारात्मक खबरों के बीच में रहते हैं तो थोड़े समय के लिए शरीर से न्यारा होकर परमात्मा स्नेह की छत्रछाया में रहे जिसे आपने सभी मीडिया सदस्यों को गहन राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई। आपने राजयोग मेडिटेशन की विशेषता बताते हुए कहा कि आप इसे हर कार्य करते हुए भी कर सकते हैं प्राची दीदी ने अनोखे विश्व विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि यहां सत्संग नहीं 365 दिन प्रतिदिन ईश्वरीय पढ़ाई होती है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आवाहन पर गरियाबंद जिले के कर्मचारी अधिकारी फैडरेशन द्वारा अपनी 11 सूत्री मांगों के तुरंत निराकरण हेतु प्रदेश के मुखियां विष्णु देव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के नाम नारेबाजी करते हुए नेहा भेड़िया संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया!

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक एम.आर.खान द्वारा अपनी 11 सूत्री मांगों संबंध में अवगत कराया गया की प्रदेश सरकार अपने संकल्प पत्र अनुसार प्रदेश में मोदी की गारंटी अनुसार वर्ष जुलाई 2016 से लंबित एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफखाते में संयोजित किया जाए, प्रदेश में 4 स्तरीय समय मान वेतनमान क्रमशः 8 16 24 32 वर्ष में दिया जाए,मध्य प्रदेश की भाती प्रदेश में अर्जित अवकाश नकदीक करण 300 दिवस किया जाए,प्रदेश के लिपिकों, शिक्षकों स्वास्थ्य विभाग,महिला बाल विकास विभाग सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर किया जाएं,पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए,प्रदेश के शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए समस्त वेतन लाभ दिया जाए, सहायक शिक्षकों एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को भी त्रिस्तरी समय मान वेतनमान दिया जाए,प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति हेतू स्थाई आदेश जारी किया जाए, वर्तमान में 10त्न सीलिंग समाप्त करते हुए सीधी भर्ती के समस्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दिया जाए,प्रदेश के पंचायत सचिवों का शासकीय करण किया जाए तथा नगरी निकाय के कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन एवं समय पर पदोन्नति दिया जाए, प्रदेश के विभिन्न विभागों में सेटअप विकसित नहीं होने के कारण अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को देखते हुए सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष किया जाए! प्रदेश में कार्य कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी अनियमित संविदा कर्मचारियों का नियमितिकरण करते हुए निमित्त पद पर स्थापना में नियुक्ति किया जाए,प्रदेश के आधार बेस्ड अटेंडेंस एवं सेवानिवृत्ति उपरांत संविदा नियुक्ति तत्काल बंद किया जाए, विभागों में रिक्त पदों पर अती शीघ्र भर्ती हेतु अनुमति दी जाए, जैसी प्रमुख मांगे रखी गई है!ज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से एम आर खान जिला संयोजक बसंत त्रिवेदी महासचिव मनोज खरे विकास खंड संयोजक बसंत मिश्रा लिपिक संघ सुदामा ठाकुर अनूप महादिक रामकुमार ध्रुव लोकेश सोनवानी अमृत भोसले संजय सिंग दीपयंती तिवारी प्रीति रामटेक माधुरी यादव युवराज कुटारे चन्द्रहास श्रीवास उमाशंकर साहू तोकेस्वर साहू पुरषोततम साहू दूसयंत साहू विकास सावडेसहित बहुत से कलेक्ट्रेट के कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली, जिला महासमुंद (छ.ग.)

20/3 // **सूचना** //

आवेदक मोहनलाल पिता मानिकचंद वगै. जाति जैन निवासी ग्राम सरायपाली तहसील सरायपाली के द्वारा ग्राम अर्जुण्डा में स्थित भूमि खसरा नं. 321/1 रकबा 0.8800 हे. भूमि हरप्रसाद पिता लखेश्वर वगै से पंजीकृत विक्रय पत्र बैनामा से क्रय कर का बिज है। उक्त भूमि को आवेदक पंजीकृत विक्रय पत्र बैनामा के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में हितबद्ध पक्षकार निम्नानुसार है:-

01. हरप्रसाद पिता लखेश्वर निवासी पैता पो आ नौगढ़ी तहसील बसन 02. मोहितलाल पिता अयोध्या निवासी लोहणीपुर पो. आ. भंवरपुर तहसील बसना 03. रामकुमार पिता दौलतराम निवासी भैरोपुर पो. आ. भगतसरायपाली तहसील सरायपाली 04. अभिमन्यु पिता मोतीलाल निवासी जोगीदादर पो. आ. लिमदरहा तहसील पिथौरा 05. श्यामकुमार पिता गनपत निवासी अजगरखार पो. आ. चनाट तहसील बसना 06. श्यामसुन्दर पिता गोपीचंद निवासी बरपेलाडीह पो. आ. भुकेल तहसील सरायपाली 07. लम्बोदर पिता ॠषिकेश निवासी झापीमौहा पो आ पिरदा तहसील पिथौरा 08. हेमराज पिता भजनलाल निवासी सरायपाली पो. आ. सरायपाली तहसील सरायपाली 09. संजय पिता महेन्द्र निवासी पठारीपाली पो आ. टमटोरा तहसील सारंगढ़ 10. पद्मलोचन पिता गणेशरात निवासी अचानकपाली पो. आ. टमटोरा तहसील सारंगढ़ 11. मोतीचरण पिता मोहरसाय निवासी माजरमाटी पो. आ. टमटोरा तहसील सारंगढ़ 12. भोजराम पिता सत्यानंद निवासी लेंधरा तहसील बरमकेला

जो उक्त प्रकरण में हितबद्ध पक्षकार हैं। जिनको सामान्य नोटिस से तामिल नही हो पाने के कारण समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक 23/03/2026 को समय 10:30 बजे न्यायालय तहसीलदार सरायपाली में उपस्थित होवे। आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूध्द एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर सुनवाई की जावेगी ।

आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

दिनांक 16/03/2026

स्थान-सरायपाली

मुहर

तहसीलदार
सरायपाली

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

रा.प्र.क. 202603100900023
अ/19 (5) वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम अटारी प.ह.नं. 35 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय नगर पंचायत पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) का संशोधित पत्र कमांक/3244/मुनअ./ राजस्व/2026 पाटन दिनांक 10.03.226 के अनुसार नगर पंचायत पाटन में एस. टी.पी. (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांद) निर्माण किये जाने हेतु वार्ड क 15 अटारी नाला के पास खसरा नंबर 315 रकबा 2.44 हे0 मे से 0.50 हे0 का अग्रिम आधिपत्य/आबंटन निकाय को प्रदान करने बाबत पत्र प्राप्त हुआ है।

अत: उक्त भूमि को आवेदक कार्यालय नगर पंचायत पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के पक्ष मे अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने जाने कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 07.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11.03.2026 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

रा.प्र.क. 202603100900011
अ/19 (5) वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय नगर पंचायत पाटन तहसील पाटन का पत्र कमांक/3268/नं.पं./राजस्व/2026 पाटन दिनांक 12.03.2026 के अनुसार ग्राम पाटन प0ह0नं0 35 तहसील पाटन स्थित भूमि खसरा नंबर 485 रकबा 0.32 हे0 शासकीय भूमि में व्यवसायिक परिसर का निर्माण किया है। उक्त भूमि को व्यववसायिक परिसर हेतु भूमि आबंटन प्रदान किये जाने बाबत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त भूमि को व्यववसायिक परिसर के पक्ष में आबटंन किए जाने जाने कि कार्यवाहीं में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 13.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12.03.2026 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जंगल में वारदात, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तारी

कांकेर। नाबालिग से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में सिकसोड पुलिस ने तेजी और सख्ती का परिचय देते हुए महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जंगल में हुई इस वारदात ने इलाके को झकझोर दिया था, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने आरोपी को कानून के शिकंजे में ला खड़ा किया।

जानकारी के मुताबिक, 15 मार्च को दर्ज रिपोर्ट में बताया गया कि नेड़गांव निवासी शेरसिंग कोमरा (27 वर्ष) ने 12 फरवरी को नाबालिग को जबरन अपने साथ आमाकोट जंगल के पास ले जाकर एक झोपड़ी में रातभर बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी, जिसके कारण वह लंबे समय तक चुप रही।

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें, जिला दुर्ग (छ.ग.)

गौरव पथ पद्यमनाभपुर उतई रोड दुर्ग पिनकोड 491001

फोन एवं फैक्स 0788-2323446 ई मेल: ddvsdurg.cg@nic.in

गौधाम संचालन के लिये रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) का आमंत्रण

* EOI जारी करने की तिथि - 12.03.2026
* निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 31.03.2026 समय 3 बजे तक
* जमा करने का स्थान - कार्यालय उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, गौरव पथ पद्यमनाभपुर दुर्ग छ.ग.

गौधाम संचालन के लिये जिला दुर्ग के 11 नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपरोक्त तिथि अनुसार रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) का आमंत्रण किया जा रहा है। गौधाम में निराश्रित, घुमन्तू गौवंशीय पशुओं तथा गृह विभाग द्वारा कृषिक पशु परिक्षण अधिनियम 2004 (यथा संशोधित 2011), छ.ग. कृषिक पशु परिरक्षण नियम 2014 अंतर्गत जप्त गौवंशीय पशुओं को ही विस्थापित किया जायेगा ।

गौधाम स्थापना हेतु भूमि, गौधाम का उद्देश्य क्रियान्वयन नियंत्रण, अनुश्रवण उवं अनुशीलन, गौधान संचालन हेतु पात्र संस्थायें, गौधाम के संचालन हेतु पात्रता एवं कार्यकाल, गौधाम संचालन हेतु चयनित संस्था का दायित्व, गौधाम हेतु मानव संसाधन, योजना का वित्त पोषण एवं शास्ति की जानकारी EOI जमा करने का स्थान (कार्यालय, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, गौरव पथ पद्यमनाभपुर दुर्ग छग में कार्यालयीन दिवस एवं समय सुबह 10 बजे से 5.30 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। इसे जनसंपर्क वेबसाइट www.jansampark.cg.gov.in में भी देख जा सकता है ।

G-252607237 / 2

उपसंचालक
पशु चिकित्सा सेवायें
जिला - दुर्ग (छ.ग.)

शिक्षा के क्षेत्र में कुडेकेल के प्रणव जगत ने लहराया परचम, जवाहर नवोदय में चयन

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कुडेकेल के एक होनहार छात्र प्रणव जगत ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम के दम पर समूचे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। प्रणव ने देश की प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं में एक साथ सफलता हासिल कर अपनी शैक्षणिक योग्यता का लोहा मनवाया है। इस दोहरी उपलब्धि से न केवल जगत परिवार में खुशी की लहर है, बल्कि पूरे वनांचल क्षेत्र के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

विरासत में मिली शिक्षा की लौ- प्रणव की इस सफलता की जड़ें उनके पारिवारिक परिवेश में छिपी हैं। उनके पिता राजेन्द्र सिंह जगत स्वयं एक समर्पित शिक्षक हैं और माता श्रीमती कीर्ति जगत (सहायक ग्रेड-2) के पद पर कार्यरत हैं। प्रणव के दादा स्व. करमसिंह जगत का नाम बसना क्षेत्र में शिक्षा जगत में बड़े ही सम्मान के साथ लिया जाता है। अपनी सादगी और सरल स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले स्व. करमसिंह जी के पदचिन्हों पर चलते हुए उनके पोते ने आज समाज का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। आदिवासी समाज में हर्ष की लहर व्याप्त है। प्रणव जगत की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर गोंडवाना समाज और विभिन्न

सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर की है। समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने इसे आदिवासी समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया है।

बधाई देने वालों का लगा तांता:

प्रणव को आशीर्वाद देने वालों में उनके नाना नोहर सिंह नेताम (महासचिव, गोंड समाज देवरीराज), अमृत लाल जगत (अध्यक्ष, अजाक्स बसना), दीपक जगत (जिलाध्यक्ष, गोंडवाना संघ), जगदीश सिदार (जिलाध्यक्ष, गोंडवाना गोंड महासभा), विश्वनाथ ओटी, पहलवान सिदार और मोहन सिदार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

साथ ही शिक्षक समुदाय से टिकम जगत, दुलार सिंह पारेश्वर, उपेन्द्र पारेश्वर, सहदेव वर्गे, भूपेंद्र नेताम और उत्तर सिदार सहित अन्य शिक्षक साथियों ने प्रणव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सफलता का मंत्र: अनुशासन और मार्गदर्शन- अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रणव ने इसका श्रेय अपने माता-पिता के अटूट विश्वास और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन को दिया है। उनके पिता राजेन्द्र सिंह जगत ने बताया कि प्रणव बचपन से ही पढ़ाई के प्रति अनुशासित और लक्ष्य को लेकर समर्पित रहे हैं, जिसका परिणाम आज सबके सामने है।

संक्षिप्त-खबर

हिंदू जागरण मंच ने भक्त माता कर्मा जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव द्वारा महान भक्त एवं संत परंपरा की प्रेरणास्रोत भक्त माता कर्मा की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माता कर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों को याद किया तथा समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि भक्त माता कर्मा का जीवन त्याग, भक्ति और समाज सेवा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हुए सादगी और सेवा का संदेश दिया। उनके जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सच्ची भक्ति के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि आज के समय में युवाओं को संतों और महान विभूतियों के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। माता कर्मा का जीवन हमें सिखाता है कि श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। संगठन द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने माता कर्मा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया तथा समाज में भाईचारा, एकता और धर्म के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हिंदू जागरण मंच के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर माता कर्मा के जयकारे लगाए और समाज में सकारात्मक संदेश देने का संकल्प लिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बहनों के आयोजन में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक ने दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

पाटन (समय दर्शन)। कुशल महिला - खुशहाल परिवार अभियान के तहत पाटन पत्रकार संघ भवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे आयोजन में जागरूकता, उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने महिला सशक्तिकरण को समाज के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि शिक्षित, सक्षम एवं आत्मनिर्भर महिला ही सशक्त परिवार और समृद्ध समाज का निर्माण करती है। उन्होंने महिलाओं से शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। श्रीमती नायक ने कुशल महिला - खुशहाल परिवार अभियान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी एवं दक्षता से ही सामाजिक संरचना सुदृढ़ होती है। उनके विचारों ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास एवं जागरूकता का संचार किया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता एवं पारिवारिक मूल्यों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति के विभिन्न आयामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। आयोजन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके सुव्यवस्थित प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

तालाब सूखे, हैंडपंप और बोर का जल स्तर गिरा, ग्रामीण क्षेत्र में निस्तारी और पेयजल संकट

पाटन। क्षेत्र में लगातार गिरते जलस्तर के कारण अब परंपरागत धार्मिक गतिविधियां भी प्रभावित होने लगी हैं। सुख चुके तालाबों के चलते लोगों के सामने ज्वारा विसर्जन को लेकर परेशानी खड़ी हो गई है।

सांकरा, मोतीपुर सहित उत्तर पाटन क्षेत्र के अन्य ग्रामों में पेयजल और निस्तारी का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। गांवों के प्रमुख जल स्रोत तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे दैनिक उपयोग के पानी की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है।

तालाबों के सूखने का असर अब भूजल स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। हैंडपंप और बोर पंप का वाटर लेवल लगातार नीचे गिरता जा रहा है, जिससे पानी की किल्लत और बढ़ गई है।

छग पेंशनधारी कल्याण संघ का शपथ ग्रहण सह मासिक बैठक संपन्न

बसना (समय दर्शन)। छ ग पेंशनधारी कल्याण संघ बसना का मासिक बैठक संघ भवन में आयोजित किया गया।

संघ के नव निर्वाचित सदस्यो का शपथ ग्रहण एवं मासिक बैठक दिनांक 18 मार्च20 2 6 दिन बुधवार समय प्रात: 10 वजे अध्यक्ष भगवन प्रसाद सेठ के निवास ग्राम संत पाली में जिलाध्यक्ष गोस्वमी जी एवं - स्क ढु विछिया के शाखा प्रबंधक की सादर उपस्थिति में सपन्न हुआ ।

प्रथम सत्र मे नये सदस्य गयाराम बुड़ेक , अयोध्या प्रसाद मिश्रा एवं महेन्द्र कश्यप का अंगवस्त्र एवं श्रीफ्ल से स्वागत किया गया।

माह मार्च मे जन्म लेनेवाले जी के स्वर्णकार, ए के विशी, एस के विशाल ,पी एल सिदार

का जन्म दिन मनाया गया ।

80 वर्ष पूर्ण करने पर स्वर्णकार सर का स्वागत किया गया । अध्यक्ष सेठ जी के द्वारा सभी पेंशनरों को भोजन कराने के पश्चात शपथ ग्रहण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ ।

शपथ ग्रहण का कार्यक्रम जिलाध्यक्ष एवं मैनेजर स्वच्छ एव ग्राम सरपंच श्रीमती साव के उपस्थिति मे कराया गया ।

अध्यक्ष भगवान प्रसाद सेठ संरक्षक . युधिष्ठिर करं ' वालेश्वर प्रधानं ' वनमाली प्रधान ' गोवर्धन विशी , रासविहारी भोई, सच्चिदानन्द त्रिपाठी उपाध्यक्ष कमल लोचन प्रधान , ए वी दास,आरएल पटेल,विश्वभर प्रधान ,दुर्लभ प्रधान ,आर के भोई ,एमआर य दू . गजनाथ चौधरी सचिव आर बी प्रधान, सहसचिव शरद प्रधान,कोषाध्यक्ष वी पात्र, उप कोषाध्यक्ष टी एल बेहरा, प्रवक्ता पुरुषोतम दिवान , मिडिया प्रभारी जी के स्वर्णकार, सलाहकार मण्डल के सी साहू , हेमराज पटेल,एन एल भोई, एल एन पाण्डे ,जी एस तोमर, जीआर जगत, कार्यकारिणी सदस्य एस के विशाल, भास्कर पाणिग्राही, सुंदरमणी मिश्रा, ब्रजराज पुरोहित, माधव देवता, सीताराम प्रधान ने पद का शपथ ग्रहण किया । संघ के अध्यक्ष सेठ जी के द्वारा सभी पेंशनरो को श्रीफ्छ एवं अंग वस्त्र द्वारा स्वागत किया गया । बैठक में बड़ी संख्या मे पेंशनर उपस्थित हुए। बैठक का संचालन प्रांतीय प्रचार सचिव आर बी प्रधान ने किया ।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के दस बच्चे चयनित

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव, विकास खंड पिथौरा जिला महासमुंद से जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में दस बच्चों का चयन हुआ है। चयनित बच्चों में युवराज पटेल, तुषार दास मानिकपुरी, कु. प्रकृति प्रधान, कु. षष्टिका प्रधान, कु. दीक्षा साहू, कु. भावना प्रधान, नितिन नायक, कु. चेतना मुटकिया, असंख्य कुमार भोई, साहिल सिंह सिदार सम्मिलित हैं। शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव में पिछले तीन वर्षों में विद्यालय के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान के कुशल मार्गदर्शन में नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में 43 बच्चों का चयन हुआ है। इन बच्चों के चयनित होने पर ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपंच विजय बारीक, शाला प्रबन्धन समिति अध्यक्ष यशवंत बारीक, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी डड़सेना, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक नरेश पटेल, हाई स्कूल के प्राचार्य जगदीश कुमार उच्च प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक रविलाल प्रधान ने बच्चों और समस्त गुरुजनों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। साथ ही विद्यालय के शिक्षक गौरीशंकर पण्डा, विजय कुमार नाग,

श्रीमती कविता बढ़ाई, श्रीमती नीलिमा साहू, सालिकराम बंजारे, अहीर कुमार बरिहा, कु. ईश्वरी पटेल, बैसाखुराम भोई, लालकुमार कुर्रे और ग्राम मोहगांव के रोहित प्रधान, प्रणव प्रधान, मोहन साहू, जगतराम साव, टिकमलाल प्रधान, रमेश प्रधान, तेजराज प्रधान, बलदेव बारीक, टिकेलाल भोई सहित समस्त पंचायत प्रतिनिधि, समिति सदस्यों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कर मार्गदर्शक शिक्षक भोजराज प्रधान को धन्यवाद प्रेषित किया है।

नवरात्र आज से, सतरूपा शीतला मंदिर में जलेंगे आस्था व श्रद्धा के ज्योत

मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का लगता है मेला

दुर्ग। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध मां सतरूपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्रि का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। नवरात्र के पहले दिन 19 मार्च को शुभ मुहूर्त पर सुबह 11.36 बजे कलश स्थापना व ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे। नवरात्रि पर इस वर्ष मंदिर में 1601 की संख्या मे ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे। यह मनोकामना ज्योत देश व विदेश के श्रद्धालुओं के नाम प्रज्जवलित होंगे। नवरात्रि पर्व पर सतरुपा शीतला सेवा समिति द्वारा पूरे 9 दिन 19 मार्च से 27 मार्च तक धार्मिक कार्यक्रम के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। मां सतरूपा शीतला और ज्योत के दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर में जुटते है। जिसके चलते मंदिर समिति द्वारा सभी व्यवस्थागत तैयारियां जोर शोर से जारी है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए सतरुपा शीतला सेवासमिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि मंदिर में चैत्र

नवरात्रि पर्व के पहले दिन 19 मार्च को शुभ मुहुर्त पर सुबह 11.36 बजे कलश स्थापना व ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को पंचमी पर कलश चढ़ावा व माता का श्रृंगार, संध्या 4 बजे बाना परधनी, 26 मार्च को महाअष्टमी पर्व पर संध्या 4 बजे हवन-पूजन, संध्या 6 बजे से कन्या पूजन व कन्याभोज एवं 27 मार्च को महानवमी पर्व पर संध्या 4 बजे ज्योत जंवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री साहू ने बताया कि नवरात्रि पर विभिन्न जस गायन मंडलियों द्वारा प्रतिदिन मंदिर में जस गीतो की प्रस्तुति के माध्यम से माता की आराधना की जाएगी। सतरुपा शीतला सेवासमिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि मंदिर में मां शीतला सात रुपों में विराजमान है। जिसके करीब एक स्वयंभू जलकुण्ड का पानी कभी सुखता नहीं है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर के जलकुण्ड के पानी के सेवन व उपयोग करने से असाध्य रोग दूर होने के साथ-साथ मनोकामना पूर्ण होती है। फ्लस्वरुप मंदिर में चैत्र व क्वांर नवरात्रि पर मां शीतला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का मेला लगता है। सतरूपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि पर्व को लेकर मंदिर में विशेष साज सज्जा की गई। विद्युत लाईट एवं तोरण-पताका आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। चैत्र नवरात्रि पर्व की तैयारी में सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिव सागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, संयुक्त सचिव चम्पा साहू, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, सदस्य भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, भारतेंदु गौतम, धनेश सिंह राजपूत,राजेन्द्र शर्मा, ईश्वर अग्रवाल, हेमसिंह ठाकुर, राजेन्द्र चंदेल,राजा ठाकुर, नरेश कुटारे, श्रीधर भजने के अलावा अन्य सदस्य जुटे हुए है।

छुईखदान जनपद पंचायत का बजट विवाद राज्य स्तर तक पहुंचा, संचालनालय से मांगा मार्गदर्शन

खैरागढ़। जनपद पंचायत छुईखदान में लंबे समय से चल रहे बजट विवाद ने अब राज्य प्रशासन का ध्यान खींच लिया है। उपसंचालक पंचायत गीत कुमार सिंह ने पंचायत संचालनालय नवा रायपुर को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा है।

उपसंचालक ने पत्र में पूछा है कि यदि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 का बजट समय पर अनुमोदित नहीं हुआ है, तो क्या अब पोस्ट-फैक्टो स्वीकृति विधिसम्मत होगी या नहीं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट 3 मार्च 2026 को तथा 2025-26 का बजट 5 मार्च 2026 को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है, जबकि नियमों के अनुसार बजट जनवरी से फरवरी के बीच स्वीकृति के लिए भेजा जाना चाहिए।

उपसंचालक ने स्पष्ट किया कि पिछले दो वित्तीय वर्षों का बजट समय पर अनुमोदित नहीं होने के कारण वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करने के लिए किन आधार अभिलेखों को मान्य माना जाए। इसके लिए उन्होंने वास्तविक आय-व्यय विवरण, कोषागार अभिलेख, लेखा पुस्तिकाएं और अन्य प्रमाणिक दस्तावेजों के उपयोग पर दिशा-निर्देश मांगे हैं।

इधर, जनपद पंचायत के सभापति सुधीर गोलछा ने आरोप लगाया कि जनपद सीईओ और अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बजट अनुमोदन और स्थायी समिति की स्वीकृति के बिना फर्जी बिलों के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने उपसंचालक से आग्रह किया है कि जब तक रायपुर से स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं आताए सभी भुगतानों पर तत्काल रोक लगाई जाए।

पिछले कई महीनों से जारी इस विवाद में सभापति सुधीर गोलछा, डोमर सिंह, ज्योति जंघेल, राजिम मुकेश चंदेल समेत दर्जनभर से अधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने लगातार शिकायतें की हैं। अब सबकी निगाहें राज्य संचालनालय की दिशा-निर्देश जारी करने और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

सेवानिवृत्ति के 6 माह बाद भी जीपीएफ का भुगतान नहीं, शिक्षिका ने लगाई गुहार

भिलाई की सुंदर विहार कॉलोनी में सीवरेज समस्या से लोग परेशान, सड़क पर बह रहा गंदा पानी

जनदर्शन में आज 128 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग/समय दर्शन। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 128 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने प्राप्त अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में चंदखुरी ग्राम के वार्ड क्रमांक 6 एवं 7 के निवासियों ने हर घर नल-जल योजना के तहत

पाइप-लाइन कार्य न होने पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने बताया कि अमृत मिशन योजना के तहत गांव के कई वार्डों में पाइप-लाइन बिछाकर घर-घर कनेक्शन दिए जा रहे हैं, लेकिन उनके वार्ड को अब तक इस योजना से वंचित रखा गया है। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे उन्हें आस-पास के वार्डों से पानी लाना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने पीएचई विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सेवानिवृत्ति शिक्षिका ने छह माह बाद भी जीपीएफ का भुगतान नही होने की शिकायत की। धमधा विकासखंड से 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी उच्च श्रेणी शिक्षिका को उनकी सामान्य भविष्य निधि की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इस संबंध में उन्होंने कई बार संबंधित विभागों को लिखित एवं मौखिक आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। शिक्षिका का कहना है कि महालेखाकार रायपुर से स्वीकृति मिलने के बावजूद भुगतान लंबित है। इस कारण उन्हें अपने पति के इलाज के लिए ब्याज पर पैसा उधार लेना पड़ रहा है। उनके पति की बायपास सर्जरी हो चुकी है और वर्तमान में रायपुर के अस्पताल में इलाज जारी है। इस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

इसी प्रकार भिलाई की सुंदर विहार कॉलोनी वार्ड क्रमांक 22 स्थित प्रीत पैलेस के समीप कई वर्षों से सीवरेज का गंदा पानी सड़क पर बहने और जमा होने की समस्या बनी हुई है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगरीय प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है। नगरीय प्रशासन द्वारा अस्थायी रूप से मशीन के जरिए पानी हटाया जाता है, किंतु स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। इसके चलते समस्या बार-बार उत्पन्न हो रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26